CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-156
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 10 सितम्बर 2024

आज का विचार

बलवान व्यक्ति की भी बुद्धिमानी इसी में है कि वह जानबूझ कर किसी को शत्रु न बनाए

कैंसर का इलाज होगा सस्ता

नई दिल्ली। जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक के बाद केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कैंसर की दवाओं व नमकीन पर जीएसटी दर घटाने का ऐलान किया। वित्तमंत्री सीतारमण ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि परिषद ने बैठक के दौरान कई फैसले लिए। वित्तमंत्री ने बताया कि सरकारी संबद्ध शैक्षणिक संस्थानों को जीएसटी से छूट देने का भी फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा कैंसर की दवाओं पर भी जीएसटी घटाया गया है। कैंसर की दवाओं पर जीएसटी को 12त्न से घटाकर 5त्न करने का उद्देश्य कैंसर के इलाज की कुल लागत को और कम करना है। जीएसटी परिषद ने चुनिंदा नमकीन पर कर को 18% से घटाकर 12% करने का फैसला किया है। वित्तमंत्री ने यह भी बताया कि वाणिज्यिक संपत्तियों को किराए पर देने को रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म के तहत लाया गया जाएगा।

जीएसटी परिषद ने नमकीन पर भी घटाया टैक्स

हेलिकॉप्टर से धार्मिक यात्रा सस्ती होगी

जीएसटी परिषद ने धार्मिक यात्राओं के लिए हेलिकॉप्टर सेवाओं के परिचालन पर कर को घटाकर पांच प्रतिशत करने का फैसला किया है। केदारनाथ, बद्रीनाथ जैसी धार्मिक यात्राओं पर श्रद्धालुओं को ले जाने वाली हेलिकॉप्टर सेवाओं पर कर को 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है। पहले इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं थी। अब स्पष्टता होगी।

ऑनलाइन गेमिंग रेवेन्यू 412% बढ़ा

वित्तमंत्री सीतारमण के मुताबिक, छह महीने में ऑनलाइन गेमिंग रेवेन्यू 412त्न बढ़कर 6,909 करोड़ रुपए हो गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि दरों को तर्कसंगत बनाने पर जीओएम को स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करनी थी। दो स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत की गईं जिसमें एक रियल एस्टेट पर और दूसरी दरों के युक्तिकरण से जुड़ी थी। वित्तमंत्री ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो की भी स्थिति भी परिषद् की बैठक के दौरान पेश की गई। उन्होंने कहा कि कसीनो राजस्व में 30% की वृद्धि हुई है।

स्वास्थ्य बीमा पर फैसला अक्टूबर तक टला

वित्तमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य बीमा पर मंत्री समूह अक्टूबर के अंत तक रिपोर्ट पेश करेगा। जीएसटी परिषद की बैठक के दौरान स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी हटाने का फैसला नहीं हुआ है। फिलहाल यह फैसला टल गया है। स्वास्थ्य बीमा पर दर के आकलन के लिए जीएसटी परिषद् ने मंत्रियों का एक समूह बनाया है। वित्तमंत्री ने कहा कि मंत्रियों का यह समूह अक्टूबर के अंत तक अपनी रिपोर्ट पेश करेगा।

नया परिसीमन सीएम डॉ. मोहन यादव बोले- एमपी में जिले तो बढ़े, लेकिन उनमें कई विसंगतियां, इसलिए बनाया नया परिसीमन आयोग

मप्र में जिलों की सीमाएं बदलेंगी

इंदौर, उज्जैन, धार, और सागर जैसे बड़े जिलों में कई कठिनाइयां

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने राज्य में जिलों और संभागों की सीमाओं तथा संख्या की समीक्षा करने के लिए नए परिसीमन आयोग का गठन किया है। यादव ने कहा कि क्षेत्रफल के लिहाज से मध्यप्रदेश देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। परिसीमन आयोग के आधार पर प्रदेश के जिलों का नए सिरे से सीमांकन होगा। सीएम डॉ. यादव ने कहा कि जिले तो बढ़े हैं, लेकिन उनमें कई विसंगतियां हैं। कुछ लोगों को जिला या संभागीय मुख्यालय तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। हमने ऐसी विसंगतियों को दूर करने के लिए नया परिसीमन आयोग बनाया है। इसके साथ ही सीएम मोहन यादव ने कहा कि आयोग के माध्यम से सरकार जिला और संभागीय मुख्यालयों की सीमाओं की समीक्षा करेगी और लोगों की बेहतरी के लिए उन्हें युक्तिसंगत बनाएगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर के सेवानिवृत्त अधिकारी मनोज श्रीवास्तव को आयोग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मोहन यादव ने कहा कि सागर, उज्जैन, इंदौर और धार जैसे बड़े जिलों में कई कठिनाइयां हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे जिलों को परिसीमन प्रक्रिया के जरिए युक्तिसंगत बनाया जाएगा।

सुझाव देने का आग्रह

सीएम ने कहा कि राज्य सरकार ने पुलिस थानों की सीमाओं को फिर से परिभाषित किया है और यह निर्णय प्रशासनिक दृष्टि से लाभकारी होगा। उन्होंने लोगों से आयोग को अपने सुझाव देने का आग्रह किया। सरकार के इस फैसले आने वाले दिनों में कई जिलों की सीमाएं बदल जाएंगी। उन्होंने कहा कि हम इस आयोग के माध्यम से आस-पास के जिलों को एकीकृत करेंगे ताकि नागरिकों को बेहतर सेवाएं मिल सकें। सीएम ने उदाहरण देते हुए कहा कि सागर, इंदौर और धार जैसे जिलों में विशेष रूप से प्रशासनिक कठिनाइयाएं हैं। आशा है कि परिसीमन आयोग के माध्यम से इन समस्याओं का समाधान किया जा सकेगा और हमारी सरकार प्रदेश की बेहतरी के लिए लगातार काम करती रहेगी।

100 से 150 किमी दूर हैं मुख्यालय

सीएम ने कहा कि कई टोले, मजरे और पंचायतों के लोगों को जिला, संभाग, तहसील, विकासखंड जैसे मुख्यालयों तक पहुंचने के लिए 100 से 150 किमी का चक्कर लगाना पड़ रहा है, जबकि ऐसे क्षेत्रों से दूसरे जिले, संभाग, विकासखंड और तहसील मुख्यालय नजदीक हैं। कई संभाग बड़े-छोटे हो गए हैं। ऐसी विसंगतियां दूर करने के लिए नया परिसीमन आयोग बनाया गया है। इसके माध्यम से नजदीकी जिला मुख्यालय से जोड़कर जनता की बेहतरी के लिए जो अच्छा हो सकता है, वह करना है।

एक साल के लिए काम करेगा आयोग

27 फरवरी 2024 को कैबिनेट मीटिंग में प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग बनाने का फैसला किया गया था, लेकिन लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के चलते नियुक्तियां नहीं हो पाई थीं। अब यह आयोग एक साल के लिए काम करेगा। जिलों का दौरा कर सुझाव लेने के बाद शासन को रिपोर्ट देगा।

बनती जा रही विवाद की स्थिति

बीना विधायक निर्मला सप्रे लोकसभा चुनाव में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुई हैं। वे बीना को जिला बनाने की मांग कर रही हैं। वहीं, पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह बीना को जिला बनाने का विरोध कर रहे हैं। वे खुरई को जिला बनाने की मांग रहे हैं। इसको लेकर 3 सितंबर को खुरई बंद का ऐलान भी किया गया था। इसके अलावा चाचौड़ा (गुना), जुन्नारदेव (छिंदवाड़ा), लवकुशनगर (छतरपुर) और मनावर (धार) को जिला बनाने की मांग भी लगातार उठ रही है।

लाड़ली बहनों के खातों में जमा हुई सितंबर की किस्त

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को लाड़ली बहना योजना की माह सितंबर की राशि ट्रांसफर की। यह कार्यक्रम सागर जिले के बीना में आयोजित हुआ। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं की राशि लाभार्थियों के खातों में जमा की गई। बता दें, सितंबर माह में प्रत्येक लाड़ली बहना को 1250 रुपए के हिसाब से 54 करोड़ 73 लाख 10 हजार 500 रुपये का भुगतान डिजिटल माध्यम से किया गया।

केरल में जन्मे जिनसन चार्ल्स ऑस्ट्रेलिया की नॉर्दर्न टेरीटरी में बनेंगे मंत्री

मेलबर्न। केरल में जन्मे जिनसन चार्ल्स ऑस्ट्रेलिया की नॉर्दर्न टेरीटरी (एनटी) सरकार में मंत्री बनने जा रहे हैं। उन्होंने हाल के एनटी चुनावों में एक लेबर मंत्री को हराया है। चार्ल्स विकलांगता, कला, पूर्व सैनिक और बहुसांस्कृतिक मामलों के मंत्री बनेंगे। स्थानीय मीडिया की खबरों में यह जानकारी दी गई। चार्ल्स के साथ ही गुजरात के खोडा पटेल ने भी पिछले महीने हुए विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की है। उनकी कंट्री लिबरल पार्टी (सीएलपी) ने 24 अगस्त को हुए चुनावों में 25 सीटों में से 17 पर जीत हासिल की। एबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, चार्ल्स ने पहले स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम किया है। वे अब विकलांगता, कला, पूर्व सैनिक और बहु सांस्कृतिक मामलों के मंत्री के रूप में काम करेंगे। इसके साथ ही वे युवा, वरिष्ठ नागरिक और समानता के मामलों के साथ-साथ खेल और संस्कृति विभाग की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, एनटी की विधानसभा के लिए चार्ल्स को चुना जाना ऐतिहासिक है। नई सरकार सरकार में दक्षिण एशियाई और दक्षिण-पूर्व एशियाई मूल के राजनेताओं की सबसे अधिक संख्या है।

कालिंदी एक्सप्रेस को पलटाने की कोशिश, आतंकी साजिश की आशंका

कानपुर। कानपुर में एक बार फिर ट्रेन को डिरेल करने की कोशिश की गई। अनवर-कासगंज रूट पर रविवार देर शाम कालिंदी एक्सप्रेस ट्रैक पर रखे सिलेंडर से टकरा गई। सिलेंडर फटा नहीं और ट्रेन से टकराकर ट्रैक के किनारे गिर गया। ट्रेन के लोको पायलट ने तुरंत सीनियर अफसर को सूचना दी। घटना के बाद आरपीएफ, जीआरपी और रेलवे के सीनियर अफसरों ने जांच की। सोमवार को भी आईबी, एसटीएफ, एटीएस और एनआईए ने मौके पर पहुंचकर जांच की। ट्रैक से सिलेंडर के अलावा, बोतल में पेट्रोल, माचिस, एक मिठाई का डिब्बा और झोला मिला। झोले में बारूद जैसा पदार्थ पाया गया। आरपीएफ ने कहा कि आतंकी साजिश से इनकार नहीं किया जा सकता। वहीं, भाजपा ने भी आतंकी या राजनीतिक साजिश की आशंका जताई है। जांच के लिए 6 टीमों का गठन किया गया। 6 संदिग्धों को पूछताछ के लिए उठाया गया। पुलिस ने इलाके के जमातियों को भी रडार पर लिया है। डीसीपी वेस्ट राजेश कुमार सिंह ने बताया- पास में एक मजार है। वहां देशभर से जमाती आते हैं। आस-पास से आने वाले जमातियों की भी जांच की जा रही है।

सूरत में गणेश पंडाल पर पथराव, जमकर हुई हिंसा, अब तक 33 हिरासत में

सूरत। गुजरात में सूरत के सैयदपुरा मोहल्ले में रविवार रात गणेश पंडाल पर पथराव करने वाले आरोपियों के खिलाफ सरकार ने कार्रवाई शुरू कर दी है। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे इलाके में कई आरोपियों के अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलवा दिया गया। बता दें, रविवार देर रात 6 युवकों ने पंडाल पर पथराव किया था। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद आरोपियों के घरवाले सैकड़ों लोगों के साथ प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच पथराव शुरू हो गया। इलाके में देर रात तक जमकर हिंसा हुई। पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े। इस मामले में 33 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सोमवार सुबह से स्थिति नियंत्रण में रही। पुलिस की मौजूदगी में सुबह की आरती भी की गई। इलाके में करीब एक हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

विमान में नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोपी को तीन साल की सजा और जुर्माना

बेंगलुरु। कर्नाटक में बेंगलुरु की एक विशेष अदालत ने दोहा-बेंगलुरु उड़ान में एक नाबालिग से छेड़छाड़ करने के मामले में तमिलनाडु के 51 वर्षीय व्यक्ति को दोषी ठहराते हुए तीन साल की सजा सुनाई। आरोपी की पहचान अम्मावसाई मुरुगेसन के तौर पर की गई है। अदालत ने उस पर पर 10,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया। पिछले साल जून में मुरुगेसन ने शराब के नशे में विमान में नाबालिग को अनुचित तरीके से छुआ था। नाबालिग की मां ने जब इसका विरोध किया तो फ्लाइट अटेंडेंट ने उनकी सीट बदल दी। विमान के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरने के बाद नाबालिग के पिता ने पुलिस को मामले की सूचना दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुरुगेसन को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा आठ के तहत गिरफ्तार किया था, लेकिन उसे 27 जुलाई 2023 को उसे जमानत मिल गई थी। नाबालिग विदेश में होने के कारण सुनवाई के दौरान डिजिटल माध्यम से गवाही दी। बेंगलुरु ग्रामीण जिले में अतिरिक्त जिला एवं सत्र विशेष अदालत ने मुरुगेसन को पॉक्सो अधिनियम के तहत दोषी ठहराया। अदालत के आदेश में कहा गया कि अगर आरोपी जुर्माना जमा नहीं करता है तो उसे तीन महीने अतिरिक्त जेल में रहना पड़ेगा। अदालत ने मुरुगेसन को सजा के खिलाफ अपील करने के लिए जमानत दे दी है, क्योंकि सुनवाई के दौरान वह नियमित रूप से उपस्थित रहा और उसका व्यवहार भी सहयोगात्मक था।

राहुल ने की भारत और चीन की तुलना तो भड़की भाजपा

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इन दिनों अमेरिका के दौरे पर दिए अपने बयान को लेकर खबरों में हैं। दरअसल, टेक्सास विश्वविद्यालय के छात्रों से उन्होंने कहा कि भारत में कौशल की कमी नहीं है, बल्कि कौशल रखने वालों का यहां सम्मान नहीं होता। उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक उत्पादन में चीन का प्रभुत्व है, वहां इसलिए बेरोजगारी नहीं है। विदेश के प्लेटफॉर्म पर भारत और चीन की तुलना हुई तो बीजेपी और एनडीए के कई नेताओं ने राहुल गांधी पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने अमेरिका में महाभारत का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि महाभारत में युद्ध लड़ने की कला में निपुण गुरु द्रोणाचार्य से जब आदिवासी समुदाय से आने वाले एकलव्य ने धनुर्विद्या सीखने की इच्छा प्रकट की तो उन्होंने उन्होंने

उसका दाहिना अंगूठा मांग लिया। उन्होंने कहा कि कौशल का सम्मान करके तथा कुशल लोगों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान कर भारत की क्षमता को उभारा जा सकता है। उन्होंने कहा कि आप सिर्फ आबादी के एक-दो प्रतिशत लोगों को सशक्त बनाकर भारत की क्षमता में इजाफा नहीं कर सकते हैं। राहुल गांधी ने भारत में उत्पादन पर ध्यान केंद्रित किए जाने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा है कि वैश्विक उत्पादन में चीन का प्रभुत्व है इसलिए वह बेरोजगारी का सामना नहीं कर रहा है जबकि भारत और अमेरिका समेत पश्चिमी देश बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहे हैं। राहुल गांधी इस बयान पर भाजपा हमलावर है। सोमवार को भाजपा ने कहा कि कांग्रेस सांसद को भारत का अपमान करने की आदत है। साथ ही सवाल उठाया कि क्या राहुल कम्युनिस्ट पार्टी के साथ सांठगांठ के चलते चीन के पक्ष में बोलते हैं? भाजपा के प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी चीन के पक्ष में बोलने के लिए उत्सुक हैं और उन्हें भारत का अपमान करने की आदत है। दुनिया जानती है ।

कौशल का ओलंपिक-10 से 15 सितंबर तक फ्रांस में हो रही 47वीं वर्ल्ड स्किल प्रतियोगिता में हिस्सा लेगा 60 सदस्यीय भारतीय दल

पुरुषों के हुनर 'वेल्डिंग-प्लंबिंग' में दमखम दिखाएंगी भारत की बेटियां

नई दिल्ली। देश की बेटियां फ्रांस में वेल्डिंग और प्लंबिंग जैसे हुनर दिखाएंगी। दुनिया की सबसे बड़ी प्रतियोगिता में भारत से 60 युवाओं का दल शामिल हो रहा है। भारत से वर्ल्डस्किल्स इंडिया टीम का 60 सदस्यीय युवा दल 47वीं वर्ल्ड स्किल प्रतियोगिता 2024 में शिरकत कर रहा है। यह प्रतियोगिता 10 से 15 सितंबर तक फ्रांस के यूरोएक्सपो ल्योन में होगी। यह दल फ्रांस पहुंच गया है। इस साल का यह दल खास है, क्योंकि दल की युवतियां पुरुषों के हुनर माने जाने वाले वेल्डिंग, प्लंबिंग और हीटिंग जैसे कौशल में प्रतिस्पर्धा करती नजर आएंगी। देश के युवाओं की हौसला अफजाई के लिए कौशल विकास राज्यमंत्री जयंत चौधरी भी वहां पहुंचेंगे। इस दौरान चौधरी वैश्विक स्तर पर कौशल से जुड़ी योजनाओं पर कई देशों के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगे। कौशल विकास व उद्यमशीलता मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, भारतीय दल 52 कौशल श्रेणियों में 70 से अधिक देशों के सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगियों के सामने दमखम दिखाएंगे।

ढाई लाख प्रतिभागी लेंगे हिस्सा

इस भव्य आयोजन को कौशल का ओलंपिक माना जाता है। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 1,400 से अधिक प्रतियोगी और 1,300 विशेषज्ञ भाग लेंगे। इसमें 2.5 लाख से अधिक प्रतिभागियों के आने की उम्मीद है। यह प्रतियोगिता वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने में कौशल के महत्व पर प्रकाश डालती है।

टीम में मिनी इंडिया की झलक

कौशल प्रबंधन योजना में निर्धारित दिशानिर्देशों के साथ भारतीय टीम ने तैयारी की है। कई कौशलों के विशेषज्ञ निष्पक्ष और मानकीकृत प्रतिस्पर्धी वातावरण सुनिश्चित करने के लिए वर्कस्टेशनों की स्थापना, औजारों और उपकरणों को अंतिम रूप दिया गया और तकनीकी विशिष्टताओं को पूरा करने का काम किया गया है। टीम में मिनी इंडिया की झलक है। इसमें मिजोरम से लेकर जम्मू-कश्मीर, उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम और अंडमान निकोबार द्वीप क्षेत्र जैसे दूरस्थ इलाकों के युवा शामिल हैं।

सबसे स्वच्छ शहर की हवा अब उतनी साफ नहीं

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। जबलपुर ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2024 में देशभर के 1×1 शहरों को पछाड़कर देश के सबसे स्वच्छ वायु वाले शहरों में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा आयोजित इस सर्वेक्षण में सूरत पहले स्थान पर है। प्रदेश में भी जबलपुर ने इंदौर और भोपाल जैसे प्रमुख शहरों को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। हाल ही में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की और से स्व'छ वायु सर्वेक्षण-2024 की रिपोर्ट पेश की गई। जिसमे चुनिंदा शहरों में हवा की गुणवत्ता के आधार पर उसे रैंक दिया गया। इसमें टॉप 10 में सूरत, जबलपुर, आगरा, लखनऊ, कानपुर, वडोदरा, इंदौर, भोपाल, विजयवाड़ा और अहमदाबाद शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, एक नंबर की कमी से जबलपुर पहले रैंक पर जगह नहीं बना पाया। जबलपुर को 19× जनकी सूरत को 194 नंबर मिले हैं। प्रदेश के अन्य शहरों

की बात करें तो राजधानी भोपाल और इंदौर को एक सामान अंक 182 मिले हैं। वहीं ग्वालियर को वायु स्व'छता में 156.2 अंक मिले हैं।

स्व'छ वायु सर्वेक्षण में सात बार पहला स्थान प्राप्त करने वाले इंदौर की स्थिति इस साल कुछ खास नहीं रही। टॉप 10 में शामिल होने के बावजूद इसकी रैंकिंग में भारी गिरावट देखने को मिली। साल 2021,22,और 2× में इंदौर सबसे शीर्ष पर रहा। वहीं राजधानी भोपाल के पिछले आकड़ों की बात करें तो 2021 में भोपाल टॉप टेन से बाहर था। वहीं 2022 में छठे और 202× में पांचवें स्थान पर था लेकिन इस साल यह सीधे आठवें पायदान पर आ गया।

इस आधार पर होता है सर्वे

-इंटेलिजेंस ट्रैफिक मैनेजमेंट
-ग्रीन वेल्ट का विकास
-सड़कें बनी हो और एंड तू एंड पेविंग वर्क हो
-डंप साइट के लिए नगर वाटिका हो
-मैकेनिकल स्वीपिंग को बढ़ावा हो
-कचरे के निपटारे की अ'छी व्यवस्था हो

ग्वालियर 1× अंक सुधरकर ×0वें नंबर पर

पर्यावरण मंत्रालय द्वारा जारी सूची के अनुसार सूरत को 194 और जबलपुर को 19× नंबर मिले। इंदौर और भोपाल का स्कोर एक समान 182 रहा। प्रदेश के अन्य शहरों की बात करें तो 156.2 अंक लेकर ग्वालियर ×0 वें नंबर है। पिछले साल ग्वालियर इस सूची में 4×वें नंबर पर था। यानी उसने रैंकिंग में 1× अंक का सुधार किया।

सर्वे के लिए 1×× शहरों में वायु गुणवत्ता परखी

इस सर्वे लिए सरकार ने 1×× शहरों में वायु की गुणवत्ता को परखा है। इसमें बायोमास और कचरा जलाना, सड़क की धूल, सी एंड डी वेस्ट से धूल, गाड़ियों से निकलने वाले धुएं और उद्योगों से निकलने वाले अपशिष्ट का आकलन किया गया।

इनसे बदल रहे हालात

प्रदेश के खूबसूरत शहर भोपाल को कभी देश के सबसे बेहतर शहर के रूप में जाना जाता था। पहाड़ों, हरियाली और नदी तालाबों की मौजूदगी से इस शहर का वातावरण यहां आने वाले हर व्यक्ति को लुभाता रहा है। समय के साथ कम होती हरियाली, सुकड़ते तालाबों के दायरों ने इन हालात को धक्का लगाया। इसके साथ ही बढ़ती आबादी, वाहनों और कारखानों की अधिकता ने भी इस शहर की शुद्ध हवा को प्रभावित किया है। निर्माण कार्यों और इंदौर की भी यही स्थिति रही।

पांच साल पुराने बल्ला कांड में आकाश विजयवर्गीय समेत 10 बरी

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। नगर नगर निगम अफसर पर बल्ले से वार करने वाले पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय समेत 10 आरोपियों को जिला कोर्ट ने बरी कर दिया है। सोमवार को आए फैसले में पूर्व विधायक विजयवर्गीय को राहत मिलने के बाद उनके समर्थकों ने लड्डू बांटे। जो अधिकारी आकाश के बल्ले का शिकार हुए थे और उनके खिलाफ थाने में शिकायत करने पहुंचे थे। वे ही सुनवाई के दौरान मुकर गए। उन्होंने अपने बयान में कहा था कि उन्होंने आकाश को बल्ला चलाते हुए नहीं देखा था, बल्कि आकाश के हाथ में बल्ला देखा था। कमजोर साक्ष्य का फायदा आरोपियों को मिला और इस बल्ला कांड में सभी आरोपी बरी हो गए। कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद 9 सितंबर को फैसला लिया।

नगर निगम का अमला गंजी कपाउंड क्षेत्र में खतरनाक मकान हटाने गए थे। इसका आकाश विरोध करने पहुंचे थे। उनका आरोप था कि नगर निगम अफसर मकान मालिकों से सांठ-गांठ कर मकानों को खतरनाक घोषित कर उन्हें तोड़ने का काम कर रहे हैं। मौके पर पहुंचे अफसर धीरेंद्र बायस पर आकाश ने बल्ला चला दिया था। इसके बाद एमजी रोड पुलिस थाने में आकाश के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने सहित अन्य धारा में केस दर्ज किया था। यह बल्ला कांड देशभर में चर्चित हुआ था।

वकीलों ने कहा-वीडियो एडिटेड है

26 जून 2019 को आकाश विजयवर्गीय गंजी कपाउंड पहुंचे थे। तब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी और आकाश इंदौर की तीन नंबर विधानसभा सीट के विधायक थे। विधायक आकाश का बल्ला मारते हुए वीडियो वायरल हो

गया था। कोर्ट में आकाश के वकीलों ने कहा कि वायरल वीडियो एडिटेड है और पुलिस ने उसकी फोरेंसिक जांच भी नहीं की।

चर्चित हुआ था यह बल्लाकांड

आकाश का बल्लाकांड काफी चर्चित हुआ था। भाजपा की बैठक में भी इस पर चर्चा हुई थी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस पर नाराजगी जताई थी। आकाश ने तब कैबिनेट मंत्री स'जन सिंह वर्मा और तत्कालीन निगमायुक्त आशीष सिंह पर गंभीर आरोप लगाए थे। बल्लाकांड के बाद आकाश ने कहा था कि नगर निगम के अफसरों ने अति कर दी है। कांग्रेस नेतागणों के इशारे पर मकान तोड़े जा रहे है। जब फिर मकान तोड़ने की जानकारी मिली तो मैं मौके पर पहुंचा, तो महिलाओं के साथ निगमकर्मी बदसलूकी कर रहे हैं। आवेदन, निवेदन और दनादन यह हमारा लाइन आफ एक्शन है।

जिसकी पिटाई हुई उस अधिकारी ने लिया यू-टर्न

आकाश विजयवर्गीय ने भरे बाजार में नगर निगम अधिकारी धीरेंद्र बायस को क्रिकेट बैट से सरेआम पीटा था। अधिकारी ने इसकी शिकायत की थी लेकिन फरवरी 2022 में अधिकारी ने अदालत में बयान बदल लिया। कहा कि घटना के वक्त वे मोबाइल पर बात कर रहे थे। उन्हें नहीं पता बल्ला किसने मारा, क्योंकि बल्ला पीछे से चला था। क्रॉस बयान में कहा कि उन्होंने आकाश विजयवर्गीय को बल्ला मारते हुए नहीं देखा था। विजयवर्गीय के हाथ में बल्ला देखकर उन्होंने रिपोर्ट में उनका नाम लिखवा दिया था।

स्कूल में बम की सूचना से मचा हड़कंप, छात्रों को बाहर करवाया

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। इंदौर के एक निजी स्कूल में बम होने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। एक छात्र के पिता को अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर स्कूल में बम लगा होने की सूचना दी थी। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए स्कूल को खाली कराया और बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया। हालांकि, पूरी तलाशी के बाद कोई बम नहीं मिला। डीसीपी विनोद मीणा ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि एक पिता अंकित सोनी के पास एक कॉल आया। बात करने वाले ने बताया कि तुम्हारा बेटा जिस स्कूल में पढ़ता है। उसमें बम लगा हुआ है।

जिसे कुछ देर में उड़ा दिया जाएगा। उन्होंने इस मामले में तत्काल डायल 100 को सूचना दी। सोनी का बेटा पल्हर नगर के गुरुकुल में पढ़ता है। अंकित सोनी की शिकायत पर कुछ ही देर में यहां अन्नपूर्णा पुलिस की गाड़ी पहुंची और जांच की। इस घटना के बाद स्कूल प्रशासन ने छात्रों और उनके अभिभावकों को आश्वस्त किया

कि स्कूल सुरक्षित है और ऐसी किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें। पुलिस ने भी लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और ऐसी किसी भी सूचना पर तुरंत पुलिस को सूचित करने की अपील की। इस घटना के कारण स्कूल में कुछ समय के लिए पढ़ाई बाधित हुई। हालांकि, पुलिस ने जांच पूरी करने के बाद स्कूल की कक्षाएं फिर से शुरू कर दी।

स्कूल ने सुरक्षा मजबूत करने का कहा

पुलिस ने इस मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का मानना है कि यह मामला झूठी सूचना देने का हो सकता है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि ऐसी किसी भी झूठी सूचना पर विश्वास न करें और पुलिस का सहयोग करें।

स्कूल प्रशासन ने भी इस घटना से सबक लेते हुए स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने का फैसला किया है। स्कूल ने छात्रों और उनके अभिभावकों को आश्वस्त किया है कि स्कूल की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

महूगांव में धर्मशाला की छत पर गिरी बिजली, पढ़ाई रहे दो किशोरों की मौत

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। इंदौर से 40 किलोमीटर दूर महूगांव में आकाशीय बिजली गिरने से दो किशोरों की मौत हो गई। दोनों नाबालिग ब'चे गांव की राजपूत धर्मशाला की छत पर पढ़ाई कर रहे थे। पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

महूगांव में यह घटना सोमवार शाम को हुई। तेज हवा के साथ आकाश में बिजली कड़कड़ा रही थी। तभी बस्ती की राजपूत धर्मशाला की छत पर दो किशोर पढ़ाई कर रहे थे, उन पर बिजली गिर पड़ी। परिजन ब'चों को अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार मृत किशोरों की पहचान संतोष गिरवाल और अंकित पांडे के रूप में हुई। दोनों छत पर पढ़ाई कर रहे थे। दोनों के हाथ में मोबाइल भी थे। घटना के बाद उनके शरीर के कुछ अंग क्षत विक्षत हो गए। इस तरह के हालात अक्सर विस्फोट के कारण बनते हैं।

ग्रामीण बोले धमाका हुआ था

ग्रामीणों ने बताया कि विस्फोट भी हुआ था। पुलिस अफसर फिलहाल आकाशीय बिजली गिरने से ही मौत मानकर चल रहे है, लेकिन मौत की असली वजह के लिए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से ही पता चलेगी। अंकित संतोष के मकान में किराए से रहता था। अक्सर दोनों छत पर साथ पढ़ाई करते थे।

आधे-अधूरे नायता मुंडला बस स्टेशन से बसों का संचालन शुरू

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। इंदौर में बरसों के बाद नए बस स्टेशन से बसों का संचालन शुरू हुआ है। नायता मुंडला में ×0 करोड़ की लागत से बने बस स्टेशन के मार्गों की हालत अभी खराब है और वहां तक पहुंचने के लिए लोक परिवहन की व्यवस्था भी नहीं है, लेकिन प्रशासन चाहता था कि बसों का संचालन वहां से हो। सोमवार को बगैर किसी तामझाम व लोकार्पण के बस स्टेशन शुरू हो गया। इंदौर से आसपास के नगरों तक चलने वाली एआईसीटीएसएल की सिटी बसों का संचालन भी नायता मुंडला से होने लगा है। अभी तक यह बसे नवरतन बाग से होता था। निजी बसों आपरेटर भी मान गए और उनकी बसें भी बस स्टेशन पर सोमवार को पहुंची।

सुबह दूसरे शहरों से आई बसें जब नायता मुंडला बस स्टेशन पर पहुंची तो यात्रियों को भी परेशानी हुई,क्योकि वहां से आटो रिक्शा और लोक परिवहन के साधन पर्याप्त नहीं थे। यह बस स्टेशन भी शहर के दूसरे बस स्टेशनों की तुलना में दूर है। वहां से यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचने में किराया भी 'यादा लगा।

यात्रियों का कहना था कि बस संचालकों को पिक एंड ड्रॉप की सुविधा शुरू कराना चाहिए, ताकि यात्रियों को आसानी हो। महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान के शहरों तक जाने वाली बसों का संचालन इस स्टेशन से होगा।

अगले साल तक कुमेर्डी में टंट्या मामा बस स्टेशन शुरू हो रहा है। इस बस स्टेशन की क्षमता 200 बसों की है। यह इंदौर का सबसे बड़ा बस स्टेशन होगा। इंदौर में पहले गंगवाल, सरवटे और नवलखा बस स्टेशन बने थे। इसके अलावा तीन इमली और राजीव गांधी चौराहा से अस्थाई बस स्टैंडों से भी बसों का संचालन होता है।

प्लम्बर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

इंदौर। इंदौर के खजराना में रहने वाले एक प्लम्बर ने सुसाइड कर लिया। वह काम से वापस आने के बाद घर पर ही थे। पत्नी पड़ोस में सहेली के यहां बैठी थी। वही बेटा खजराना गया था। यहां से वापस आया तो पिता को फंदे से उतारकर अस्पताल ले गया। यहां डॉक्टरो ने चेकअप के बाद एमवाय भेज दिया। खजराना पुलिस ने मिली जानकारी के मुताबिक निर्मल(45) पिता सीताराम भालसे निवासी सूरज नगर को उसका बेटा सुशील एमवाय लेकर पहुंचा। बेटे ने पुलिस को बताया कि रात 11 बजे जब वह वापस आया तो पिता फंदे पर लटके थे। मां की जानकारी निकाली तो वह नजदीक में पड़ोसी के घर पर थी। रात में वह पिता को मयूर अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरो ने एमवाय भेज दिया। बेटे ने बताया कि शाम को पिता आए ओर सामान्य थे।

इंदौर में चार नए थाने खोलने की तैयारी...

सायबर अपराधों की शिकायत के लिए बनेगा अलग थाना

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। इंदौर में बसाहट तेजी से फैल रही है। 20 साल पहले तक विजय नगर में पुलिस चौकी हुआ करती थी, लेकिन अब उसकी गिनती मुख्य थानों में हो गई है। अब विजय नगर से भी 15 किलोमीटर आगे तक फैल चुका है। इसके अलावा गांधीनगर और बायपास की तरफ भी काफी नई कॉलोनियां व टाउनशिप विकसित हो चुकी हैं। इस हिस्से में भी नए थाने का प्रस्ताव पुलिस विभाग ने तैयार किया है। इंदौर में कमिश्नरी सिस्टम के तहत ×6 थाने हैं। इनके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में छह थाने हैं। दस साल पहले इंदौर की नगर निगम सीमा का विस्तार हुआ। इसके बाद सीमावर्ती क्षेत्रों के थानों के इलाके काफी बढ़ गए हैं।

इस कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में नए थाने की जरुरत महसूस हो रही है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को इंदौर से जुड़े विकास कार्यों व प्रोजेक्टों को लेकर चर्चा की थी। इसमें पुलिस विभाग के आला अफसरों ने भी नए थानों की जरुरत बताई है।

अब गृह विभाग को नए थाने का प्रस्ताव भेजा जा चुका है। नई थानों के लिए जमीन अलॉट होने और भवन निर्माण होने के बाद थानों पर स्टाफ की नियुक्ति की जाएगी। पांच साल पहले इंदौर में द्वारकापुरी, कनाड़िया थाना और तिलक नगर थाने नए बनाए गए थे।

इन इलाकों में होंगे चार नए थाने

इदौर में महालक्ष्मी नगर थाना नया बनेगा। इस थाने में कनाड़िया, खजराना और लसुड़िया के क्षेत्र जोड़े जाएंगे। इसके अलावा सुपर कॉरिडोर थाना भी बनेगा। इसमें बाणगंगा और एरोड्रम क्षेत्र के कुछ हिस्से जोड़े जाएंगे। चंदन नगर क्षेत्र भी काफी फैल चुका है। इस इलाके में धार रोड थाना खोलने का प्रस्ताव भी भेजा गया है। इंदौर में सायबर अपराध भी काफी बढ़ चुके है। अभी तक सायबर सेल इन केसों को देखती है, लेकिन इसके लिए थाने की जरुरत भी महसूस होने लगी है। इसे देखते हुए सुल्काखेड़ी में सायबर थाना भी खोला जाएग

ऊर्जा मंत्री के गृहक्षेत्र ग्वालियर में सबसे ज्यादा डिफॉल्टर, दूसरे नंबर पर भोपाल

मप्र में 14,733 करोड़ बिजली बिल बकाया...

सिटी चीफ भोपाल।

मध्यप्रदेश में बिजली कंपनियां बकाएदारों से वसूली के लिए सख्ती बरत रही हैं। इसको लेकर सोशल मीडिया पर 16 जिलों के डिफॉल्टरों की सूची भी कंपनी की तरफ से जारी की गई। इसमें कई रसूखदार लोगों के नाम भी शामिल हैं। अब एक बड़ा खुलासा हुआ है कि ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के गृहक्षेत्र ग्वालियर में सबसे ज्यादा डिफॉल्टर हैं।

प्रदेश में बिजली कंपनियों के 14 हजार 733 करोड़ रुपये बकाया हैं। इसमें सबसे ज्यादा ग्वालियर क्षेत्र पर बकाया है। यहां उपभोक्ताओं पर कुल 6,303 करोड़ रुपये बकाया है। वहीं, दूसरे नंबर पर 2,580 करोड़ रुपये के बकाया के साथ राजधानी भोपाल है। ग्वालियर क्षेत्र में घरेलू उपभोक्ताओं पर सबसे ज्यादा 3,513 करोड़ रुपये बकाया है। इसके बाद कृषि उपभोक्ताओं पर 1,734 करोड़ रुपये। यह स्थिति तब है, जब सरकार उपभोक्ताओं को करोड़ों रुपये की

सब्सिडी दे रही है। ग्वालियर में गैर घरेलू (वाणिज्यिक) उपभोक्ताओं पर 621 करोड़, औद्योगिक उपभोक्ताओं पर 280 करोड़ और अन्य पर 156 करोड़ रुपये बकाया है। दूसरे नंबर पर भोपाल है। यहां पर घरेलू उपभोक्ताओं पर 1,467 करोड़, कृषि 740 करोड़, गैर घरेलू (वाणिज्यिक) 169 करोड़, औद्योगिक 108 करोड़ और अन्य पर 97 करोड़ रुपये बकाया है।

इंदौर तीसरे नंबर पर

इंदौर क्षेत्र में घरेलू उपभोक्ताओं पर 830 करोड़, कृषि उपभोक्ताओं पर 147 करोड़, गैर घरेलू वाणिज्यिक 152 करोड़, औद्योगिक उपभोक्ताओं पर 260 करोड़ और अन्य पर 199 करोड़ रुपये बकाया हैं।

बाकी जगह घरेलू उपभोक्ता बड़े डिफॉल्टर

प्रदेश में जबलपुर क्षेत्र में 578 करोड़ रुपये बकाया है। इसमें घरेलू उपभोक्ताओं का 460 करोड़ रुपये बकाया हैं। रीवा क्षेत्र पर कुल 1135 करोड़ रुपये बकाया है, जिसमें 693 करोड़ रुपये घरेलू उपभोक्ताओं का है। सागर में 1004 करोड़ रुपये बकाया है, जिसमें घरेलू उपभोक्ताओं का 564 करोड़ रुपये है। शहडोल क्षेत्र में 248 करोड़ रुपये है, जिसमें 202 करोड़ घरेलू क्षेत्र का है। वहीं, उज्जैन क्षेत्र का कुल 1542 करोड़ रुपये है, जिसमें 902 करोड़ रुपये घरेलू उपभोक्ताओं का बकाया है।

25 हजार घर बिजली कंपनियों के रडार पर

मध्य प्रदेश के 16 जिलों में बिजली चोरी और दुरुपयोग को रोकने के लिए केंद्रीय डिस्कॉम (वितरण कंपनी) ने 25,000 से अधिक घरों की पहचान की है। इन घरों में बिजली का अनुचित उपयोग और कई मीटर कनेक्शन का मामला सामने आया है, जिससे बिजली की खपत असामान्य रूप से कम हो रही है। डिस्कॉम ने इन घरों पर कार्रवाई शुरू कर दी है और सभी मीटरों को सुनियोजित करने की प्रक्रिया जारी है।

वसूली के लिए उठा रहे कदम

ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव मनु श्रीवास्तव ने कहा कि बिजली कंपनी के बकायादार से वसूली के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। इसमें सोशल मीडिया पर उनकी नाम की सूची डालने के साथ उनकी सब्सिडी रोकने जैसे कदम उठा रहे हैं।

नो पार्किंग जोन में भी दुकानदारों के कब्जे, नगर निगम की कार्रवाई बेअसर

फुटपाथ भी अतिक्रमण की गिरफ्त में

सिटी चीफ भोपाल।

संत हिरदाराम नगर बाजार में राहगीरों के लिए सुरक्षित फुटपाथ भी अतिक्रमण की गिरफ्त में हैं। पुलिस ने जिस क्षेत्र को नो पार्किंग जोन बनाया है वहां भी अवैध कब्जा हो गया है। फुटकर व्यवसाइयों से सामान खरीदने आए लोग यहां वाहन भी खड़े कर रहे हैं। नो पार्किंग जोन का पालन यातायात पुलिस भी नहीं करवा पा रही है।

कपड़ा एवं बर्तन बाजार में दुकानों के सामने अतिक्रमण बहुत पुरानी समस्या है। अब अतिक्रमण इतना बढ़ गया है। पक्की दुकानों तक पहुंचना ही मुश्किल होता जा रहा है। जिस फुटपाथ का निर्माण राहगीरों की सुविधा के लिए किया गया है वहां अब पैदल चलने की जगह नहीं बची है। नगर निगम का अतिक्रमण अमला औपचारिकता के लिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करता है लेकिन गंभीर कार्रवाई कभी नहीं की गई।

जोन समिति नाराज, नहीं हुआ अमल

नगर निगम की जोन समिति की बैठक में पार्षदों ने नगर में लगातार बढ़ते अतिक्रमण पर नाराजगी प्रकट की थी। पार्षदों की नाराजगी को देखते हुए पिछले सप्ताह निगम के अमले

ने कुछ गुमठियां एवं ठेले जब्त किए लेकिन दूसरे ही दिन फिर से कब्जा नजर आने लगा। यही स्थिति कई बार निर्मित हो चुकी है।

इन इलाकों में दिन भर सड़कें जाम

संत कंवरराम चौराहा, चंचल रोड के आसपास, सुभाष मार्ग, पीएनबी एवं निरंकारी रोड के आसपास अतिक्रमण के कारण सड़कें छोटी नजर आने लगी हैं। दिर भर यहां सड़कें जाम हो जाती हैं। पार्षद अशोक मारण का कहना है किनगर निगम को फुटकर व्यवसाइयों को हाकर्स कार्नर में बसाना चाहिए। यही समस्या का स्थाई हल है। मारण के अनुसार यह मामला नगर निगम परिषद की बैठक में भी उठाया गया था। बसाहट की मांग को लेकर हाल ही में यहां पर धरना भी दिया गया था।

पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आए सामाजिक संगठन

सिटी चीफ भोपाल।

प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्रियों तक पर्यावरण को आगे रखते हुए इसके संरक्षण की दिशा में सकारात्मक कदम बढ़ाए हैं। इसका असर यह है कि आमजन से लेकर सामाजिक संगठनों तक ने इस मुहिम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना शुरू कर दिया है। राजधानी के एक शैक्षणिक संस्थान ने इस अभियान को आगे बढ़ाने के लिए एक पार्क ही स्थापित कर दिया है। जिसमें पौधारोपण की सतत गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। यह नवाचार राजधानी के प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च कॉलेज ने किया है। कॉलेज ने अपने परिसर में मेडिसिन पार्क बनाया है। जहां अलग अवसरों पर वृक्षारोपण के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हाल ही में शिक्षक दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का यह सिलसिला आगे बढ़ाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में एसपी रेडियो शशांक गर्ग, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त सेवानिवृत प्राचार्य डॉ. उषा खरे, डॉ. यशपाल सिंह, डॉ. रिनु यादव, सैयद जाहिद मीर, अजय देवनानी आदि मौजूद थे। इस अवसर पर समाज के जरूरतमंद, आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की शिक्षा पर कार्य कर रही संस्थाओं एवं पर्यावरण, स्वच्छता पर कार्यरत नागरिकों को

सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने जीवन में आए बदलाव (टर्निंग पॉइंट) के बारे में बताया और छात्रों को प्रेरित किया गया। इस अवसर पर प्रिया आर्य क्रांति, डॉ. राजेंद्र कुमार वर्मा, मिथिलेश सिंह, एडवोकेट विनीता सिंह, नरेश मोटवानी, सुनीता यादव, नीतू यादव, राधिका विश्वकर्मा, दीप्ति दिव्या यादव, अर्शी कुरैशी, मुस्कान कुरैशी, सैयद फैज अली, डॉ. जीशान हनीफ, आलमगीर खान, सुधा दुबे, सुनील दुबे, डॉक्टर स्मिता राशि आदि को सम्मान से नवाजा गया।

हिमालय की चोटियों पर लहराएगी एमपी की तकनीक, वेस्ट मैनेजमेंट पर नेपाल में व्याख्यान देंगे इम्तियाज

सिटी चीफ भोपाल।

मध्यप्रदेश से निकली वेस्ट मैनेजमेंट की तकनीक अब तक दुनिया के कई देशों में अपनी मौजूदगी दर्ज करवा चुकी है। इसको लेकर पर्यावरण संरक्षण में नए आयाम भी स्थापित किए जा रहे हैं। अब इसी तकनीक का फायदा हिमालय की वादियों में पसरे वेस्ट से निजात पाने के लिए किए जाने की कवायद शुरू हो रही है। इसी माह नेपाल में आयोजित होने वाले खास सेमिनार में हिमालय की सरहदों से लगे देश, प्रदेश, शहरों के जिम्मेदार जुटेंगे। इस कार्यक्रम में प्लास्टिक कचरा निपटान के खास तरीकों पर व्याख्यान देने के लिए मप्र की राजधानी भोपाल से ताल्लुक रखने वाले सैयद इम्तियाज अली भी मौजूद रहेंगे। प्लास्टिक कचरा अब वैश्विक समस्या का रूप धारण करती जा रही है। इसको लेकर फिक्र और निदान के कदम भी उठाए जा रहे हैं। समस्या की जद में हिमालय की पहाड़ियों से लेकर इसके तराई वाले इलाके भी आए हैं। इन इलाकों में पर्यटकों की आवाजाही ज्यादा होने से समस्या यहां तेजी से विकराल रूप धारण करती जा रही है। इस मानवजनित समस्या से निजात पाने के लिए प्रयासों का दौर शुरू हो गया है। नीति अनुसंधान प्रतिष्ठान, नेपाल इसी माह तीन दिन का एक सेमिनार आयोजित कर रहा है। 13 से 15 सितंबर तक आयोजित इस सेमिनार में देश दुनिया के विषय विशेषज्ञ अपने अपने तकनीकी और समाधानपरक व्याख्यान देंगे। इस कड़ी में राजधानी भोपाल के पर्यावरणविद सैयद इम्तियाज अली भी वक्ता के तौर पर मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में नेपाल के विदेश मंत्री डॉ आरजू राणा देवबू भी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा आयोजकों ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को भी आमंत्रित किया है। इस विशेष कार्यक्रम में इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, नेशनल ट्रस्ट फॉर नेचर कन्वर्सेशन, सेंटर फॉर नेपाल एंड एशियन स्टडीज, त्रिभुवन यूनिवर्सिटी, क्लाइमेट एलायंस ऑफ नेचर, इंटरनेशनल यूनियन फॉर कन्वेजेशन ऑफ नेचर आदि संस्थाएं मौजूद रहेंगी। राजधानी भोपाल की स्वयंसेवी संस्था सार्थक से जुड़े सैयद इम्तियाज अली लंबे समय से प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट से जुड़े हुए हैं। उन्होंने प्लास्टिक कचरे से सड़क निर्माण की तकनीक विकसित की है। उनकी इस तकनीक से प्रदेश में इंदौर समेत कई शहरों में सड़कें निर्मित की गई हैं।

संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन पर चल रहे काम के कारण यात्रियों को हो रही परेशानी

मेन गेट पर गायें और बाहर ऑटो रिक्शा चालकों का कब्जा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। अमृत भारत योजना के अंतर्गत संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन को बनाया जा रहा है। स्टेशन पर चल रहे काम के कारण यात्रियों को काफी परेशानियों को सामना करना पड़ा रहा है। स्टेशन पर बने दोनों प्लेटफार्म पर पानी भरा रहता है, जिसके कारण पूरे समय फिसलन बनी रहती है। वहीं, शेड से टपकते पानी के कारण यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने और उतने में भी परेशानी हो रही है। स्टेशन के निर्माण कार्य के दौरान स्टेशन की दीवार पर गुटाखे के निशान बने हुए है और मुख्य द्वार पर गाय ने कब्जा कर रखा है। स्टेशन के बाहर आटो चालक और ई-रिक्शा खड़े रहते है। इसी कारण यात्रियों को निकलने तक की जगह नहीं मिलती है। रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म और

फुटओवर ब्रिज के बीच में जगह होने के कारण से प्लेटफार्म के शेड से फर्श पर पानी बहता रहता है। शेड से टपकते पानी और प्लेटफार्म पर फैले पानी के बीच अफरा-तफरी की स्थिति में ट्रेन पकड़ना यात्रियों के परेशानी हो रही है। इतना ही नहीं यात्रियों की परेशानी मुख्य मार्ग से आते वक्त ही शुरू हो जाती हैं। यहां आने और जाने के लिए एक ही रास्ता है। इसी रास्ते से बैरागढ़ से सीटीओ के बीच आटो चालक खड़े रहते हैं। ऐसे में ट्रेनों की आने के दौरान स्टेशन के बाहर ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है।

ज्यादातर ट्रेनें डिब्बे निर्धारित जगह पर नहीं लग रहे

संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन पर रोजाना 40 से अधिक ट्रेनों आती है। ऐसे में स्टेशन से रोजाना 5 हजार से अधिक यात्री सफर करते हैं। रेलवे प्रबंधन प्लेटफार्म पर मौजूद इतनी सारी अव्यवस्थाएं होने के बावजूद अनदेखा कर रहा है। यात्रियों की सुविधा के लिए प्लेटफार्म नंबर एक और दो पर डिब्बे की जानकारी के लिए डिस्पले बोर्ड लगे हुए हैं, लेकिन ज्यादातर ट्रेन के डिब्बे निर्धारित जगह पर नहीं रुकते हैं। ऐसे में यात्रियों को डिस्प्ले बोर्ड के मुताबिक प्लेटफार्म पर खड़े होने के बाद भी इधर-उधर भागना पड़ता है।

भोपाल में सुबह से छाए बादल

अनूपपुर सहित चार जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

सिटी चीफ भोपाल।

मध्यप्रदेश में कहीं भारी तो कहीं हल्की बारिश का दौर जारी है। सोमवार को चार जिलों अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट में अति भारी बारिश होने का अनुमान जताया है। साथ ही कई जिलों में हल्की बारिश होने की संभावना है। राजधानी भोपाल में सुबह से बादल छाए हुए हैं। कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हो रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले चार दिन तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा।

मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश के जिलों में अगले कुछ घंटे के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिसके अनुसार शिवपुरी, श्योपुर और राजगढ़ में बिजली के साथ मध्यम गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। साथ ही मुरैना, भोपाल, विदिशा, रायसेन, सागर, दमोह, छतरपुर खजुराहो, पन्ना में बिजली के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। सतना, चित्रकूट, रीवा, मऊगंज, सीहोर,

देवास, इंदौर, खंडवा (ओंकारेश्वर), बुरहानपुर, खरगोन महेश्वर, बड़वानी, धार-मांडू, उज्जैन-महाकालेश्वर, झाबुआ, रतलाम, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट अमरकंटक एवं शहडोल में बारिश हो सकती है।

एक बार फिर से शुरू होगा तेज बारिश का दौर

प्रदेश में कुछ दिनों से भारी बारिश का दौर थमा हुआ है। मौसम विभाग का अनुमान है कि एक बार फिर से बारिश का दौर शुरू होगा। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून ट्रफ लाइन उत्तर भारत से गुजर रही है। लो प्रेशर एरिया भी एक्टिव है। ओडिशा के पास डिप्रेशन पश्चिम-उत्तर बंगाल की खाड़ी में एक्टिव है। अगले 24 से 48 घंटे में यह और स्ट्रॉन्ग होगा। सीनियर मौसम वैज्ञानिक वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि मानसून ट्रफ मध्यप्रदेश के बीच से गुजर रही है। इस वजह से अगले 4 से 5 दिन प्रदेश में कहीं अति भारी और कहीं भारी बारिश हो सकती है।

कोटा पूरा होने में एक इंच बारिश की जरूरत

प्रदेश में अब तक औसत 36.4 इंच बारिश हो चुकी है। यह सीजन की 98 प्रतिशत है। एमपी में सामान्य बारिश का आंकड़ा 37.3 इंच है यानी कोटा पूरा होने में अब एक इंच से भी कम पानी की जरूरत है। अब तक भोपाल, ग्वालियर समेत 28 जिलों में सामान्य से ज्यादा यानी 96 फीसदी से 169 प्रतिशत तक पानी गिर चुका है। इनमें श्योपुर में सबसे ज्यादा 169 फीसदी बारिश हो चुकी है।

इंदौर, उज्जैन और रीवा संभाग पिछड़े

हालांकि, इंदौर, उज्जैन और रीवा संभाग पिछड़े हुए हैं। रीवा में सबसे कम 60 प्रतिशत यानी 23.3 इंच बारिश ही हुई है। प्रदेश में सबसे ज्यादा बारिश मंडला जिले में 48.18 इंच हुई है। दूसरे नंबर पर सिवनी जिला है। यहां अब तक 47.87 इंच पानी गिर चुका है। श्योपुर में 45.89 इंच और डिंडौरी में 44 इंच बारिश हो चुकी है। टॉप-10 जिलों में भोपाल पांचवें नंबर पर है। यहां 43 इंच से ज्यादा बारिश हो गई है। सीधी, छिंदवाड़ा, रायसेन, सागर और राजगढ़ में भी 40 इंच से ज्यादा पानी गिर चुका है।

सम्पादकीय

आखिर रेलवे को कौन पहुंचाना चाहता है नुकसान?

कानपुर में बिल्हौर रेलवे स्टेशन के पास कालिंदी एक्सप्रेस के लोको पायलट ने पटरी पर अज्ञात लोगों की ओर से रखा गया रसोई गैस सिलिंडर देखकर इमरजेंसी ब्रेक लगाया। इससे एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। ट्रेन प्रयागराज से भिवानी जा रही थी। गनीमत रही कि सिलिंडर इंजन में फंसकर फटा नहीं, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। अचानक आपातकालीन ब्रेक लगने से ट्रेन पटरी से उतर भी सकती थी।

उत्तरप्रदेश के कानपुर में बिल्हौर रेलवे स्टेशन के पास कालिंदी एक्सप्रेस के लोको पायलट ने पटरी पर अज्ञात लोगों की ओर से रखा गया रसोई गैस सिलिंडर देखकर इमरजेंसी ब्रेक लगाया। इससे एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। ट्रेन प्रयागराज से भिवानी जा रही थी। गनीमत रही कि सिलिंडर इंजन में फंसकर फटा नहीं, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। अचानक आपातकालीन ब्रेक लगने से ट्रेन पटरी से उतर भी सकती थी। घटनास्थल के पास क्षतिग्रस्त सिलिंडर के अलावा पेट्रोल से भरी बोतल और माचिस सहित कई संदेहास्पद चीजें भी बरामद की गई है। पुलिस का कहना है कि मामले में ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश रची गई थी। कालिंदी एक्सप्रेस को पलटाने की साजिश की खबर पर एटीएस के आईजी नीलाब्जा चौधरी ने अपनी विशेषज्ञों की टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। एटीएस के आईजी नीलाब्जा चौधरी ने बताया कि मौके पर रविवार रात एक गैस सिलिंडर सहित, एक कांच की बोतल जिसमें पेट्रोलियम भरा पाया गया है, पास ही मिले एक थैले में भी कई ज्वलनशील पदार्थ मिले हैं। फोरेंसिक टीम भी पूरे मामले की जांच कर रही है। कई पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। उधर, सहायक पुलिस आयुक्त अजय कुमार ने बताया कि 12 से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। साथ ही सीसीटीवी कैमरों से भी जांच पड़ताल की जा रही है। इस मामले में कानपुर कमिश्नरेट के शिवराजपुर थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस, विस्फोटक अधिनियम और रेलवे अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि एनआईए जल्द कानपुर आकर अपनी जांच शुरू कर देगी। उधर, इंटेलिजेंस ब्यूरो और यूपी एटीएस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने भी 6 टीमें लगा दी है। बिल्हौर एसीपी, घाटमपुर एसीसी के नेतृत्व में पुलिस की टीमें संदिग्धों की पहचान करने में जुटी हैं। 12 से अधिक लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। जिनसे यूपी एटीएस, यूपी एसटीएफ की टीमें पूछताछ कर रहीं हैं। जानकार बताते हैं कि साजिशकताओं ने गैस सिलेंडर में विस्फोट कर ट्रेन को जलाने की साजिश रची। रेलवे की पटरियों पर इस तरह की साजिश की यह पहली घटना नहीं है। पिछले कुछ माह में देश के अलग-अलग हिस्सों में पटरियों से ट्रेन की उतरने की घटनाएं सामने आई हैं। इन घटनाओं में रेल परिचालन को बाधित करने के इरादे से पटरी पर जानबूझकर भारी वस्तु को रखा जा रहा है। पिछले महीने अहमदाबाद जाने वाली साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन के 20 डिब्बे 17 अगस्त को झांसी रेल मंडल के कानपुर और भीमसेन जंक्शन के बीच पटरी से उतर गए थे। यह दुर्घटना भी कुछ असामाजिक तत्वों की तरफ से कथित तौर पर पटरियों पर रखी गई भारी वस्तु से टकराने के बाद हुई थी। ड्राइवर ने बताया कि ट्रेन के इंजन से कोई बड़ा पत्थर टकराया, जिससे इसके अगले हिस्से में जानवरों से बचाव के लिए लगा 'कैटल गार्ड' बुरी तरह से क्षतिग्रस्त होकर मुड़ गया। पिछले महीने ही राजस्थान के पाली जिले में अज्ञात बदमाशों ने ट्रेन की पटरी पर सीमेंट का ब्लॉक रख दिया था। ऐसे में अहमदाबाद-जोधपुर वंदे भारत ट्रेन से इससे टकरा गई। हालांकि, इस हादसे में कोई नुकसान नहीं हुआ था। इस घटना के संबंध में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इसी तरह जुलाई में झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में मुंबई-हावड़ा मेल के 18 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। हादसे में 2 लोगों की मौत और 20 लोग घायल हुए थे। हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर कई वीडियो सामने आए हैं जिनमें रेल की पटरियों पर पत्थर, लोहे की रॉड से लेकर सीमेंट ब्लॉक रखते हुए दिखाया जा रहा है। कालिंदी एक्सप्रेस की घटना में तो रेल पटरी पर गैंस सिलेंडर के साथ ही बोतल में केमिकल और विस्फोटक भी मिले हैं। इस तरह के हादसों के बाद सुरक्षा एजेंसियों को भी अलर्ट हो जाने की जरूरत है। इस संबंध में राजनीतिक दल भी सरकार के साथ ही रेलवे की तरफ से इस संबंध में उच्च स्तरीय जांच की मांग कर चुके हैं। पिछले महीने एक पाकिस्तानी आतंकी का वीडियो सामने आया था।

'पर्वत से ओम गायब' हिमालय की खराब सेहत का संकेत

उत्तराखंड के सीमांत जिले पिथौरागढ़ स्थित विश्व विख्यात ओम पर्वत से जब जुलाई महीने के अंत में विशालकाय 'ओम' की आकृति लुप्त होने लगी तो सनातन धर्मावलम्बियों का विचलित होना स्वाभाविक ही था। यह दिव्य आकृति अगस्त के मध्य तक पूरी तरह गायब हो गई। धर्मावलंबी इसे दैवी प्रकोप और अनिष्ट का संकेत मानने लगे। लेकिन पर्यावरणविदों की असली चिन्ता तो जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभावों को लेकर है जो ओम पर्वत पर साफ नजर आ रहे हैं।

उत्तराखंड के सीमांत जिले पिथौरागढ़ स्थित विश्व विख्यात ओम पर्वत से जब जुलाई महीने के अंत में विशालकाय 'ओम' की आकृति लुप्त होने लगी तो सनातन धर्मावलम्बियों का विचलित होना स्वाभाविक ही था। यह दिव्य आकृति अगस्त के मध्य तक पूरी तरह गायब हो गई। धर्मावलंबी इसे दैवी प्रकोप और अनिष्ट का संकेत मानने लगे। लेकिन पर्यावरणविदों की असली चिन्ता तो जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभावों को लेकर है जो ओम पर्वत पर साफ नजर आ रहे हैं। यद्यपि बाद में पुन: हिमपात से 'ओम' की आकृति फिर प्रकट हो गई, लेकिन पुन: बर्फ का दिखाई देना चिंता मुक्त होने के लिये काफी नहीं है। क्योंकि प्रकृति द्वारा बर्फ से उकेरी गयी 'ओम' आकृति हिमाच्छादित रहने वाले पहाड़ों से बर्फ पिघलने और ग्लेशियरों के सिकुड़ने की गति बढ़ने का संकेत दे ही गयी। इस पर्वत की ऊंचाई समुद्रतल से 5,590 मीटर है और हिमालय पर 5 हजार मीटर से ऊपर का क्षेत्र क्रायोस्फीयर में शामिल है जो स्थाई रूप से हिमाच्छादित रहता है। ओम पर्वत के साथ ही विख्यात नंदादेवी और पंचाचूली जैसी चोटियां भी मध्य अगस्त में सफेद की जगह काली नजर आने लगी थीं।

हिमालय के क्रायोस्फीयर में इस तरह तेजी से बर्फ का पिघलना सीधे-सीधे क्षेत्र के ग्लेशियर तंत्र को प्रभावित करना है। ग्लेशियरों का यही पीछे हटना वैश्विक स्तर पर सरकारों, आपदा प्रबंधकों, भूगर्भ और ग्लेशियर वैज्ञानिकों तथा पर्यावरणविदों की चिन्ता का विषय बना हुआ है। हिमालय में ग्लेशियरों के पीछे हटने से जल संसाधन प्रभावित हो रहे हैं, जिससे नदियों का प्रवाह कम हो जाता है और कृषि प्रभावित होती है। इससे ग्लेशियल झीलों के फटने से विनाशकारी बाढ़ का खतरा भी बढ़ रहा है। इसके अलावा, यह क्षेत्रीय जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के नुकसान को भी बढ़ाता है। हिमालय पर हिमानी झीलों (ग्लेशियल लेक) की संख्या बढ़ने और उनके विस्तार के साथ ही उनके फटने का खतरा भी बढ़ रहा है।

ये 'ग्लेशियल लेक आउट ब्रस्ट' विनाशकारी होते हैं और इसीलिए इनकी तुलना विध्वंशकारी एटम बमों से की जाती है। जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान के एक अध्ययन के अनुसार 2013 से लेकर 2023 तक ग्लेशियल झीलों के फटने की 4 बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं जिनमें उत्तराखंड हिमालय में दो (2013 और 2021), लद्दाख में एक (2021) और सिक्किम में एक (2023) शामिल हैं। टाइम मैग्जीन के मैन ऑफ द इयर रहे वाडिया हिमालयी भूविज्ञान संस्थान से ग्लेशियॉलॉजिस्ट डॉ. डीपी डोभाल के अनुसार जलवायु परिवर्तन के इस दौर में हिमालय में 70 प्रतिशत से अधिक ग्लेशियर 5 वर्ग कि.मी. से कम क्षेत्रफल वाले हैं और ये छोटे ग्लेशियर ही तेजी से गायब हो रहे हैं। राज्यसभा में जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह द्वारा 25 जुलाई 2024 को दी गई जानकारी के अनुसार सरकार ग्लेशियल झीलों के खतरे से चिन्तित है और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय आदि विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के माध्यम से हिमालयी ग्लेशियरों पर निगरानी और समस्या समाधान के उपाय कराए जा रहे हैं।

ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान (टेरी) के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. आरके पचैरी की अध्यक्षता में संयुक्त राष्ट्र की इंटर गवर्नमेंटल पैनल की 2035 तक हिमालय के ग्लेशियर शून्य हो जाने की सनसनीखेज रिपोर्ट के बाद भारत सरकार के तत्कालीन प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार आर. चिदंबरम ने 11 अक्टूबर 2007 को आईआईटी मुंबई के निदेशक आनंद पटवर्धन की अध्यक्षता में एक अध्ययन दल का गठन किया था जिसमें भारत सरकार के वैज्ञानिक संस्थानों, दिल्ली आईआईटी और डीआरडीओ के वैज्ञानिकों के साथ ही प्रख्यात पर्यावरणविद चण्डी प्रसाद भट्ट को भी शामिल किया गया था। इस अध्ययन दल ने हिमालय के अधिकांश ग्लेशियरों के पीछे हटने की पुष्टि करने के साथ ही सियाचिन जैसे कुछ गिने चुने ग्लेशियरों के आगे बढ़ने का खुलासा भी किया था।

यूनिवर्सिटी ऑफ पोट्सडम, जर्मनी के इंस्टीट्यूट ऑफ जियो साइंस तथा इंस्टीट्यूट आफ इनवायर्नमेंटल साइंस एंड जियॉलाजी के एक साझा अध्ययन में हिमालय पर मोरैन द्वारा रोकी गई ग्लेशियल लेकों की संख्या 5 हजार से अधिक बताई गई और इनमें से कई सुप्रा टाइप की झीलों के फटने से 21वीं सदी में ही सिन्धु, गंगा और ब्रह्मपुत्र बेसिनों में विनाशकारी बाढ़ की आशंका जताई गई।

द इंडियन सोसाइटी ऑफ रिमोट सेंसिंग के जर्नल में 2016 में प्रकाशित के. बाबू गोविन्धाराज और के. विनोद कुमार के शोधपत्र 'इनवेंटरी ऑफ ग्लेशियल लेक्स एण्ड इट्स इवोल्यूशन इन उत्तराखण्ड हिमालया यूजिंग टाइम सीरीज सेटेलाइट डाटा' के अनुसार उत्तराखंड हिमालय में चिह्नित कुल 5 तरह की 362 ग्लेशियल झीलों में से 8 खतरनाक हैं जो कि विभिन्न कारणों से फट कर निचली घाटियों में तबाही मचा सकती हैं।

केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चैधरी द्वारा गत 8 अगस्त 2024 को लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में दी गई जानकारी के अनुसार अक्टूबर 2023 में ग्लेशियल लेक आउटब्रस्ट के कारण तीस्ताजलविद्युत बांध ढहने के बाद केंद्रीय जल आयोग प्रतिवर्ष जून से लेकर अक्टूबर तक 902 ग्लेशियल झीलों और जल निकायों (477 ग्लेशियल झीलों और जल निकायों सहित, जिनका जल फैलाव क्षेत्र 50 हेक्टेयर से अधिक है और 425 ग्लेशियल झीलों जिनका आकार 10 हेक्टेयर से 50 हेक्टेयर है) की निगरानी करता है।

पद्मभूषण चण्डी प्रसाद भट्ट ग्लेशियरों के पीछे हटने के लिये ग्लोबल वार्मिंग से अधिक लोकल वार्मिंग को जिम्मेदार मानते हैं। भट्ट का कहना है कि आस्था के नाम पर हिमालयी मंदिरों में जो अपार भीड़ उमड़ रही है जिससे हिमालयी पारितंत्र प्रभावित हो रहा है। इस साल अब तक 4 लाख से अधिक वाहन और 33 लाख से अधिक यात्री उत्तराखंड के चार धामों तक पहुंच गए हैं जबकि अभी 3 और महीने यात्रा बाकी है। कुछ सालों पहले तक कम यात्री और वाहन बदरीनाथ-केदारनाथ पहुंचते थे। लाखों वाहनों का सीधे सतोपंथ और गंगोत्री जैसे पीछे खिसक रहे ग्लेशियरों के पास पहुंचने से कई गुना अधिक लोकल वार्मिंग बढ़ रहा है। भट्ट इस गंभीर समस्या के समाधान के लिये हिमालय से संबंधित भारत, नेपाल, चीन, पाकिस्तान और भूटान का एक साझा प्राधिकरण बनाने का सुझाव देते हुये कहते हैं कि हिमालय संबंधी मुद्दों को अकेले या बिखरे प्रयासों की नहीं बल्कि समग्र और साझा प्रयासों की जरूरत है।

आपको बता दें कि 9 सितंबर को हर साल हिमालय दिवस मनाया जाता है। ऐसे में यह जानकारी हैरान और परेशान करने वाली है। हिमालय दिवस हिमालय की पारिस्थितिकी और क्षेत्र के संरक्षण के लिए मनाया जाता है। हिमालय वन्यजीवों के संरक्षण और देश को खराब मौसम की स्थिति से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हिमालय, जिसे अकसर धरती का स्वर्ग कहा जाता है, भारत की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत में बहुत महत्व रखता है। यह पर्वत श्रृंखला भूगोल के साथ-साथ जीव विज्ञान और संस्कृति में भी महत्व रखती है।

हिमालय पर्वतमाला पश्चिम-उत्तरपश्चिम से पूर्व-दक्षिणपूर्व तक 2400 किलोमीटर तक फैली हुई है, जिसके पश्चिम में नंगा पर्वत और पूर्व में नमचा बरवा इसके आधार हैं। उत्तरी हिमालय कराकोरम और हिंदू कुश पर्वतों से घिरा हुआ है। सिंधु-त्सांगपो सिवनी एक सीमा के रूप में कार्य करती है, जो 50 से 60 किलोमीटर चौड़ी है, जो इसे उत्तरी दिशा में तिब्बती पठार से अलग करती है। हिमालय दक्षिण में इंडो-गंगा के मैदान के विपरीत स्थित है। हिमालय पश्चिम में 350 किलोमीटर चौड़ा और पूर्व में 150 किलोमीटर चौड़ा है।

हिमालय दिवस की शुरुआत 2014 में उत्तराखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री हरीश रावत ने हिमालय का जश्न मनाने के उद्देश्य से की थी। अनिल जोशी और अन्य भारतीय पर्यावरणविदों ने इस विचार को विकसित किया, ताकि सभी हिमालयी राज्यों के लोगों को उनके साझा पर्यावरण के लिए प्रशंसा के दिन के लिए एक साथ लाया जा सके। 9 सितंबर की तारीख को चुना गया, संभवत: 2010 के मानसून बाढ़ और 2013 केदारनाथ आपदा जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण, जिसने नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करने की आवश्यकता को उजागर किया। हिमालय न केवल भारत बल्कि पूरे दक्षिण एशियाई क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण जीवन रेखा के रूप में कार्य करता है। यह पर्वत श्रृंखला भारत की प्रमुख नदियों-गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र-का उद्गम स्थल है, जो लाखों लोगों के जीवन के लिए आवश्यक हैं। हिमालय में ग्लेशियर नदियों को पानी प्रदान करते हैं, जिससे उन्हें जल संरक्षण का स्रोत उपनाम मिला है। अपने भौगोलिक महत्व से परे, हिमालय एक अद्वितीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य रखता है। बद्रीनाथ, केदारनाथ, अमरनाथ और कैलाश मानसरोवर जैसे तीर्थस्थल हिंदू धर्म में पवित्र स्थलों के रूप में प्रतिष्ठित हैं। इसके अतिरिक्त, हिमालय पौधों और जानवरों की कई प्रजातियों का घर है, जिनमें से कई वैज्ञानिक और औषधीय महत्व के हैं।

जीवन नहीं मरा करता... बिजनेस में नुकसान के कारण खुदकुशी कर रहे कारोबारी, बढ़ते मामलों पर अंकुश अहम

देश ने इस बार भी पांच सितंबर को गर्मजोशी से शिक्षक दिवस मनाया। सोशल मीडिया पर तो अध्यापकों का छात्रों के निर्माण में योगदान के लिए विशेष आभार व्यक्त किया गया था। पर अब सुधी शिक्षकों, मनोचिकित्सकों और नागरिकों को यह भी सोचना होगा कि नौजवानों का एक बड़ा वर्ग निराशा व नाकामयाबी की स्थितियों में अपनी जीवनलीला खत्म क्यों कर रहा है। शायद ही कोई दिन ऐसा गुजरता हो, जब प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले ?किसी युवा के खुदकुशी करने संबंधी समाचार अखबार में न छपते हों। इस गंभीर मसले?पर सारे देश को सोचना होगा।

व्यापार में घाटे की वजह से भी आत्महत्या करने वालों की संख्या बढ़ रही है। कुछ दिन पहले एक साइकिल बनाने वाली कंपनी के अरबपति मालिक ने भी खुदकुशी कर ली थी। पिछले साल लोकसभा में बताया गया था कि देश में 2019 से 2021 के बीच 35,000 से ज्यादा छात्रों ने आत्महत्या की। इसमें कोई शक नहीं कि किसी भी हालत में किसी खास परीक्षा में सफल होने के लिए माता-पिता, अध्यापकों, समाज का दबाव और अपेक्षाएं छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर घातक प्रभाव डाल रही हैं। राजस्थान के कोटा शहर में हर साल लाखों विद्यार्थी आईआईटी, एनआईटी या मेडिकल की प्रवेश परीक्षा को क्रैक करने का सपना लेकर पहुंचते हैं। आप कोटा या फिर देश के अन्य शहर में चले जाएं, जहां मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों के साथ-साथ सिविल सेवाओं के लिए कोचिंग संस्थान चल रहे हों। वहां विद्यार्थी दबाव और असफलता के डर से मनोवैज्ञानिक रूप से बहुत कष्ट की स्थिति में हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं कि हमें खुदकुशी के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करने के बजाय, इन्हें रोकना होगा। हमने युवाओं, कारोबारियों और अन्य लोगों द्वारा आत्महत्या करने के कारणों और इस समस्या के हल तलाशने के लिए असज विश्व आत्महत्या निवारण दिवस पर दिल्ली में सेमिनार का भी आयोजन किया है, जहां पर मनोचिकित्सक, पत्रकार और सोशल वर्कर?अपने पेपर पढ़ेंगे। उन निष्कर्षों के बाद हम आगे की रणनीति बनाएंगे।

कुछ कोचिंग सेंटर वाले भी इस तरह के प्रयास कर रहे हैं, ताकि छात्र बहुत दबाव में न रहें। राजधानी के एक कोचिंग सेंटर के प्रमुख ने बताया कि हम छात्रों की लगातार काउंसलिंग भी करते रहते हैं। उनके अभिभावकों के भी संपर्क में रहते हैं। कहा जाता है कि भारत में दुनिया भर में सबसे अधिक युवा आत्महत्या दर है। इस बीच, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, 2020 में हर 42 मिनट में एक छात्र ने अपनी जान दे दी। यह आंकड़ा सच में डराता है।

माता-पिता और अध्यापकों को नौजवानों को?अच्छा माहौल देना होगा, ताकि वे बिना किसी दबाव में पढ़ें या जो भी करना चाहते हैं, वह करें। हरियाणा के सोनीपत में सेंट स्टीफंस कैंब्रिज स्कूल चलाने वाली दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी (डीबीएस) के अध्यक्ष और सोशल वर्कर ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हम पूरी तरह से सुनिश्चित करते हैं कि हमारे स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे बिना किसी दबाव में पढ़ें। बच्चे को पालना एक बीस वर्षीय प्लान है। कौन नहीं चाहता कि उसका बच्चा समाज में ऊंचा मुकाम हासिल करे, शोहरत-नाम कमाए? पर इन सबके लिए जरूरी है कि बच्चे को उसकी काबिलियत और पसंद के अनुसार मनचाहा कॅरिअर चुनने की आजादी भी दी जाए। यह एक कड़वा सच है कि हमारे समाज में सफलता का पैमाना अच्छी नौकरी, बड़ा घर और तमाम दूसरी सुख-सुविधाएं ही मानी जाती हैं। अफसोस कि हम भविष्य के चक्कर में अपने बच्चों को आत्महत्या जैसे कदम उठाने पर मजबूर करने लगे हैं। महान कवि गोपालदास नीरज की पंक्तियां याद आ रही हैं, छिप-छिप अश्रु बहाने वालो, मोती व्यर्थ बहाने वालो, कुछ सपनों के मर जाने से जीवन नहीं मरा करता है। सफलता व विफलता का चक्र तो चला करता है। उसे स्वीकारने में ही भलाई है।

जैसा कि ऊपर जिक्र किया कि बीते दिनों एक अरबपति बिजनेसमैन ने खुदकुशी कर ली। कहा जा रहा है कि बिजनेस में नुकसान होने के कारण ही साइकिल बनाने वाली कंपनी के मालिक ने आत्महत्या की। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों से पता चला है कि 2020 में, जब कोविड की लहर ने व्यापार को तबाह कर दिया था, तब 11,716 व्यापारियों ने आत्महत्या की थी, जो 2019 की तुलना में 29 फीसदी अधिक थी, जब 9,052 व्यापारियों ने खुदकुशी की थी। भारत के व्यवसायी समुदाय का बड़ा हिस्सा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से जुड़ा है, जो बड़े झटकों को सहन नहीं कर पाता है। इसके चलते कई कारोबारियों ने कर्ज में डूबने या बिजनेस में नुकसान के कारण आत्महत्या कर ली।

नजरें ट्रंप-हैरिस की बहस पर; नीतियों के कोहरे के कारण अस्पष्टता, बारीकियों की कमी घातक...

इन दिनों अमेरिका की उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला देवी हैरिस जब रैलियों में पहुंचती हैं, तो मशहूर अमेरिकी गायिका बियोंसे के गीत %फ्रीडम% की धुन के साथ चिर-परिचित नारा गूंजता है-%जब हम लड़ते हैं, तो जीतते हैं।% छह हफ्ते से कुछ पहले राजनीतिक पंडितों ने ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने की भविष्यवाणी की थी। ट्रंप ने भी इसे पूर्वनिर्धारित निष्कर्ष मान लिया था, लेकिन तबसे जो भी गलत हो सकता था, हुआ। हैरिस के पूरे अभियान के पीछे रिपब्लिकन पार्टी के उदारवादी नेताओं (रॉकफेलर रिपब्लिकन), ट्रंप से असंतुष्ट लोगों और तटस्थ मतदाताओं को आकर्षित करने की सोची-समझी रणनीति दिखती है। उन्होंने अपने अभियान को पुनर्परिभाषित करते हुए डेमोक्रेटिक पार्टी?की उम्मीदों को पुनर्जीवित किया है। अब उनकी जीत संभव दिख रही है। जनमत सर्वेक्षणों में उन्होंने ट्रंप पर तीन पॉइंट की बढ़त हासिल की हुई है और सात चुनावी प्रांतों?में से वह चार में आगे हैं। आज फिलाडेल्फिया में होने वाली राष्ट्रपति पद की बहस दोनों उम्मीदवारों के लिए महत्वपूर्ण क्षण है। कमला ने एक गैर-प्रदर्शनकारी उपराष्ट्रपति होने के आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने बाइडन प्रशासन की विफलताओं से दूरी बनाते हुए सफलताओं का बखूबी श्रेय लिया। अब कमला को सामने आकर ऐसी योजना पेश करनी चाहिए, जो अमेरिका को स्वीकार्य हो।

दूसरी तरफ, ट्रंप ने खुद के साथ बहस में अपने शुरुआती लाभ को गंवा दिया। अब उन्हें फिर से शुरुआत करनी होगी और अपने करिश्मे को फिर से खोजना होगा। राजनीतिक दार्शनिक अक्सर लैटिन शब्दावली टेबुला रासा का इस्तेमाल करते हैं, जिसका अर्थ होता है कोरी स्लेट। इस शब्दावली को लोकप्रिय बनाने वाले दार्शनिक जॉन लॉक का तर्क था कि जन्म के समय मनुष्य का दिमाग कोरी स्लेट की तरह होता है, जिस पर अपने अनुभवों से वह ज्ञान को भरता है। दरअसल, 2024 का अमेरिकी राष्ट्रपति अभियान भी कोरी स्लेट की तरह है, जिस पर उम्मीदवारों को विभिन्न मुद्दों पर अपना रुख स्पष्ट करना है। ट्रंप और कमला हैरिस ने अपने नीतिगत विकल्पों के इर्द-गिर्द कई अस्पष्टताएं पैदा की हैं। अमेरिकियों और दुनिया के लिए, जो इस कोरी स्लेट पर नीतियों के भरने की प्रतीक्षा में हैं, यह दरअसल ज्ञात-अज्ञात का कोहरा है।

अमेरिका के लोग अर्थव्यवस्था की स्थिति यानी जीवनयापन की लागत, रोजगार और ऋणग्रस्तता के साथ प्रवासन और गर्भपात के अधिकार को लेकर उत्तेजित एवं चिंतित हैं। कमला और ट्रंप ने लोगों की भावनाओं को शांत करने के लिए वादों और रियायतों की झड़ी लगा दी है। ट्रंप ने टिप्स और सामाजिक सुरक्षा को करों से मुक्त करने, बाल कर क्रेडिट का विस्तार करने और निजी विश्वविद्यालयों पर कर लगाने का वादा किया है। कमला ने टिप्स को करों से मुक्त करने, बाल और अर्जित आय कर क्रेडिट का विस्तार करने, पहले घर की खरीद पर धन देने और आवास के लिए अन्य प्रोत्साहन देने का वादा किया है।

उम्मीदवारों ने इसका विवरण नहीं दिया कि इन मुफ्त उपहारों के लिए धन का बंदोबस्त कैसे होगा। यह अमेरिकियों और दुनिया के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। अमेरिकी राजकोषीय और मौद्रिक नीतियां वित्तीय बाजारों से होकर गुजरती हैं। अमेरिका का सकल ऋण 350 खरब डॉलर है और हर 100 दिनों में इसमें दस खरब डॉलर और जुड़ जाते हैं; उच्च ब्याज दरें ऋण सेवा लागत को और बढ़ा देती हैं। न्यूयॉर्क के इकनॉमिक क्लब में ट्रंप ने कहा कि वह आयात शुल्क बढ़ाएंगे (चीनी वस्तुओं पर 60 फीसदी) और मुद्रास्फीति को कम करेंगे, जबकि अध्ययनों से पता चलता है कि आयात शुल्क मुद्रास्फीति को बढ़ाते हैं। ट्रंप ने बिना विस्तृत विवरण दिए घोषणा की कि खर्च में कटौती करके घाटे को कम किया जा सकता है और खर्च में सुधार के लिए उद्यमी एलन मस्क की अध्यक्षता में आयोग गठित करने का वादा किया। दूसरी तरफ, कमला ने निगमों और कुल आय पर 25 प्रतिशत न्यूनतम कर के प्रस्ताव से बाजारों और निगमों को हिलाकर रख दिया है और 10 करोड़ डॉलर से अधिक मूल्य के शेयरों और परिसंपत्तियों के स्वामित्व पर अवास्तविक लाभ (यानी कागज पर होने वाले लाभ, लेकिन वास्तव में नहीं) पर कर लगाने के विचार की घोषणा की है। इन उपायों की पहले ही काफी आलोचना हो चुकी है और इनका विरोध होना तय है। सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सैन्य शक्ति वाले देश में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे दुनिया के लिए निर्णायक होंगे। कहा जाता है कि अमेरिका का न कोई स्थायी दोस्त है और न स्थायी दुश्मन और जैसा कि विख्यात पूर्व अमेरिकी राजनयिक हेनरी किसिंजर ने कहा था, इसके सिर्फ स्थायी हित हैं। लेकिन हितों की परिभाषा भी उतनी ही अस्थायी है। वर्ष 2016 में ओबामा ने ईरान के साथ एक परमाणु समझौता किया था, जिसे 2018 में ट्रंप ने खत्म कर दिया। ट्रंप ने नाटो से बाहर निकलने की धमकी देकर यूरोप को डरा दिया, जबकि बाइडन ने अमेरिका की वापसी की घोषणा की और नाटो को मजबूत किया। ग्लोबल वार्मिंग एक वास्तविकता है। लेकिन 2019 में ट्रंप ने पेरिस समझौते से खुद को अलग कर लिया और 2021 में बाइडन शासन फिर से इसमें शामिल हो गया। इन नीतिगत बदलावों का असर संबंधों पर पड़ा है। क्या अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के पास युद्धों को खत्म करने की कोई योजना है? जेलेंस्की शासन द्वारा संचालित और नाटो द्वारा वित्तपोषित यूक्रेन-रूस युद्ध, जो अंतहीन प्रतीत होता है, ने केवल हथियार उत्पादकों और सैन्य-औद्योगिक परिसरों की मदद की है। ट्रंप ने दावा किया कि वह एक दिन में युद्ध समाप्त कर सकते हैं, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कैसे। पश्चिम एशिया में कत्लेआम जारी है। ताइवान पर कब्जा करने की चीन की योजना के बारे में इनके क्या विचार हैं? हालांकि कमला ने संकेत दिया कि वह बाइडन की नीतियों को जारी रखेंगी, जबकि ट्रंप चाहते हैं कि ताइवान अपनी रक्षा के लिए अमेरिका को भुगतान करे। मंगलवार को होने वाली बहस में सवाल उठाए जाएंगे।

ठेकेदारों के सामने जिम्मेदारों का सरेंडर इसलिए बढ़ने लगे अवैध वेंडर्स..

कुंभकर्ण की भूमिका निभाने तक सीमित
जबलपुर मंडल के आला अधिकारी

उमेश कुशवाहा। सिटी चीफ
सतना, भारतीय रेलवे की मंशा पर पानी फेरते हुए अवैध वेंडरों को बढ़ावा देने का खेल जमकर किया जा रहा है। जबलपुर रेल मंडल के सतना जंक्शन स्टेशन पर तैनात रेलवे पुलिस, जीआरपी और स्टेशन प्रबंधन के अधिकारी वेंडर्स को चलाने वाले लाइसेंसी ठेकेदारों के सामने शरणागत हो गये हैं। बस यही वजह है कि गैर कानूनी होने के बाद भी रेलगाड़ियों सहित सतना और मानिकपुर रेलवे स्टेशन के बीच अवैध वेंडर्स बढ़ाने का काम खुलेआम किया जा रहा है। रेलगाड़ियों में धड़ल्ले से घुसने वाले अवैध वेंडर्स आपको रंग बिरंगी टी शर्ट में नजर आएंगे। बताया जाता है कि जबलपुर रेल मंडल ने सतना जंक्शन सहित मानिकपुर स्टेशन तक वेंडर्स उपलब्ध कराने के लिए आधा दर्जन ठेकेदारों को ठेका दिया है। वही ठेकेदार सतना जंक्शन के

खाऊ अधिकारियों, आरपीएफ और जीआरपी के खुले संरक्षण में आधा सैकड़ा से अधिक अवैध वेंडर्स दौड़ा रहे हैं। ठेकेदारों के इशारे पर स्टेशन के अधिकारी और पुलिस तमाशबीन बनकर तमाशा देख रही है। हर महीने ठेकेदारों से मिलने वाली चढ़ोत्तरी के कारण आरपीएफ, जीआरपी और प्रबंधन के जिम्मेदारों ने अपनी आंखों को बंद कर लिया है। बढ़ते अवैध वेंडरों के गंभीर मामले में जबलपुर रेल मंडल के आला अधिकारी केवल कुंभकर्ण की भूमिका का निर्वहन करते तक सीमित रह गए हैं। सतना और मानिकपुर स्टेशन के बीच अवैध वेंडर्स दौड़ाने वाले ठेकेदारों में चुन्नू खटिक, मुन्नू खटिक, विष्णु यादव, विष्णु खटिक सहित अन्य शामिल हैं।

खुलेआम बिकता है नशीला पदार्थ, निरंकुश हालात.. बताया जाता है कि जबलपुर रेल मंडल ने जिस सामग्री के लिए वेंडर्स सप्लाई का ठेका ठेकेदारों को दिया है उसे नजर अंदाज करते हुए नशा को बढ़ावा दिया जा रहा है। सारे नियम कायदे को तिलांजलि देते हुए आधा सैकड़ा से अधिक अवैध वेंडर्स मुसाफिरों को विभिन्न कंपनी का तंबाकू युक्त गुटखा और सिगरेट उपलब्ध करवाते हैं। इस नशे के बदले अवैध वेंडर्स रेलगाड़ियों में सफर करने वाले मुसाफिरों से अवैध वसूली करते हैं। इस पूरे खेल को आरपीएफ, जीआरपी और प्रबंधन के सहयोग से मुकम्मल किया जा रहा है। सतना जंक्शन रेलवे स्टेशन के हालात पूरी तरह निरंकुश हो चुके हैं, यही वजह है कि अवैध वेंडर्स वाणिज्य विभाग, स्टेशन प्रबंधन, आरपीएफ और जीआरपी को नजर नहीं आते हैं। पश्चिम मध्य रेलवे जोन के महाप्रबंधक, जबलपुर डीआरएम, सीनियर डीसीएम और आरपीएफ कमांडेंट से ही उम्मीद है कि वे सतना और मानिकपुर स्टेशन के बीच पनप रही अवैध वेंडर्स की समस्या का समाधान करें, जिससे यात्री सुरक्षित रहें।

मझगवां CHC में दलालों का डेरा

फिर शुरू हुई पर्चे की छीना-झपटी

उमेश कुशवाहा ।सिटी चीफ
सतना, सतना जिले के मझगवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इन दिनों फिर बाहर की दवाइयों के लिए दलालों द्वारा छीना-झपटी शुरू हो गई है, मझगवां CHC के अंदर सुबह से लेकर शाम तक दलालों का भीतर से बाहर तक पहरा लगा रहता है सारे आम दलालों द्वारा मरीजों से पर्चा छीना जाता है और अपनी मेडिकल से दवां लेने को कहा जाता है, मरीज सीधा साधा दिखा तो उक्त मरीज़ का पर्चा लेकर खुद ही अपने मेडिकल पहुंच जाते हैं और कमिशन की दवां दे दी जाती है और बेचारा मरीज़ खुलेआम लुटने को है मजबूर.. आखिरकार मझगवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मरीज इलाज और दवाओं के नाम पर कब तक लुटने को रहेंगे

मजबूर, क्या मझगवां अस्पताल कभी दलाल मुक्त हो पाएगा ।आखिरकार मझगवां CHC में कब तक दवां के नाम पर कमीशन वाली दवाएं चिन्हित मेडिकल स्टोर से दिलवाई जाएगी, क्या मझगवां CHC में दवाओं का अभाव है अगर नहीं तो डाक्टर साहब द्वारा बाहर की दवाइयां क्यों जातीं हैं लिखीं , और अस्पताल परिसर में अंदर से लेकर बाहर तक क्यों पहरा देते हैं दलाल और किसके संरक्षण में उक्त दलाल दिनभर अस्पताल के अंदर घुमते रहते हैं, क्या सतना सीएमएचओ बाहर की दवाइयों सहित दलालों पर लगा पाएंगे कभी लगाम।

मण्डल में नव चयनित 153 लेखपालों का प्रशिक्षण शुरू, मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारी ने कराया कर्तव्यबोध

अनुशासन एवं मेहनत से प्राप्त करें प्रशिक्षण-
मण्डलायुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, मंडलायुक्त डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता एवं जिलाधिकारी मनीष बंसल की उपस्थिति में मण्डलीय राजस्व लेखपाल प्रशिक्षण सत्र 2024-2025 का शुभारम्भ बीडी बाजोरिया इण्टर कॉलजे में किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र में मंडल के 153 लेखपालों को प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कुल 153 प्रशिक्षुओं में 91 सहारनपुर, 40 मुजफ्फरनगर एवं 22 शामली के है। मंडलायुक्त डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद ने सभी नव नियुक्त लेखपालों को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी राजस्व परिवार का हिस्सा बनने जा रहे है। अनुशासन एवं मेहनत से प्रशिक्षण प्राप्त करें और अनावश्यक रूप से छुट्टियां न करते हुए समय से प्रशिक्षण पूरा करें। अच्छी प्रकार से प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को भविष्य में इसके बहुत ही सुखद परिणाम मिलेंगे। प्रशिक्षण के दौरान मन में उठने वाले प्रश्नों को अवश्य पूछें। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कार्यों के निर्वहन में लेखपाल की अहम भूमिका होती है। राजस्व विभाग सरकार की रीढ़ होता है। प्रशिक्षण के बाद जब फील्ड में उतरें तो पारदर्शिता के साथ कार्य करें। उन्होने कहा कि राजस्व नियमों के साथ ही समय-समय पर शासन की नीतियों को भी समझते हुए कार्य करना है। तथ्यों एवं नियमों के आधार पर बिना किसी दबाव के कार्य करें। अपने वरिष्ठ अधिकारियों के सामने सही तथ्य पेश करें। आम जनमानस से सम्पर्क रखते हुए उन्हें सरकार की योजनाओं से जोडा जाए। नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत को जीवन में लागू करते हुए कार्य करें। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बधाई देते हुए कहा कि आप सभी की मेहनत का परिणाम है

कि आपकी तैनाती लेखपाल जैसे महत्वपूर्ण पद पर हुई है। उन्होंने कहा कि अपने प्रशिक्षण को तनावमुक्त रहते हुए पूर्ण लगन एवं निष्ठा से पूरा करें। जिस प्रकार आपका पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं बिना किसी भेदभाव के चयन हुआ है तो उसी प्रकार आपकी भी जिम्मेदारी बनती है कि इसी प्रकार से फील्ड में कार्य करें। समस्याओं को टालने की प्रवृत्ति को न अपनाते हुए उनके समाधान की ओर अग्रसर होने की आदत अपनाएं। अपने प्रशिक्षण में नियमितता एवं उपस्थिति जरूर सुनिश्चित कराएं। नियमों एवं अधिनियमों को गंभीरता से पढें। अपने दायित्वों को भली प्रकार से समझने के लिए प्रशिक्षण को संवेदनशीलता के साथ पूरा करें। उन्होंने कहा कि बेहतर कार्यों के लिए कम्यूनिकेशन स्किल भी आवश्यक है। उत्सुकता एवं लगन के साथ तकनीकी का भी ज्ञान प्राप्त करें। आपके फील्ड वर्क के दौरान अधिकतर गरीब एवं किसानों से सम्पर्क होगा, उनके प्रति संवेदनशीलता अपनाते हुए उनकी समस्याओं का समाधान करते हुए उनको संतुष्ट करें। अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी ने कहा कि लेखपाल राजस्व प्रशासन की प्रथम कडी है। सभी अपने आचरण, व्यवहार एवं उत्तरदायित्वों को प्रशिक्षण के दौरान समझ पाएंगे। अपर जिलाधिकारी प्रशासन मुजफ्फरनगर नरेन्द्र बहादुर ने प्रशिक्षु लेखपालों को प्रशासन की बारीकियों के बारे में जानकारी दी। अपर जिलाधिकारी न्यायिक रमेश यादव ने प्रशिक्षण के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम सप्ताह में सभी प्रशिक्षु लेखपालों को लेखपाल पद के कर्तव्यों एवं दायित्वों के संबंध में संक्षिप्त प्रशिक्षण दिया जाएगा। द्वितीय सप्ताह में माननीय परिषद द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार 06 माह का क्लासरूम प्रशिक्षण एवं उसके पश्चात 06 माह का क्षेत्रीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। मण्डल में प्रशिक्षार्थियों की संख्या 153 होने के कारण प्रथम 06 माह में 77 लेखपालों को 06 माह का क्लासरूम प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा शेष 76 लेखपालों को तहसीलों में लेखपालों के साथ सम्बद्ध रखते हुए प्रशिक्षण दिया जायेगा। अग्रिम 06 माह दूसरे सत्र में इसी प्रकार फील्ड प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लेखपालों को क्लासरूम प्रशिक्षण तथा क्लासरूम प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लेखपालों को फील्ड प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ विभागों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अतर्गत चकबन्दी विभाग द्वारा सर्वेक्षण एवं भूचित्र कार्य, शिक्षा विभाग द्वारा क्षेत्रमिति व अंकगणित, राजस्व विभाग द्वारा नियम एवं कर्तव्य तथा कागजात तैयारी, राजस्व विभाग, पंचायत राज विभाग एवं चकबन्दी विभाग द्वारा अधिनियम एवं प्रक्रिया, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं विकास विभाग द्वारा नियोजन एवं विकास, प्रधानाचार्य एवं स्कूल प्रबन्धन द्वारा सदाचार एवं अनुशासन, एनआईसी, ईडीएम, राजस्व विभाग, आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक से नामित अध्यापक द्वारा कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर युवराज सिंह सहित राजस्व परिवार के सदस्य एवं प्रशिक्षु लेखपाल उपस्थित रहे।

अनूपपुर राजनगर और डोला में गली गली नुक्कड़ नुक्कड़ बिक रही ठेकेदार अनिल राजपूत की शराब

पुलिस और आबकारी नही दे रही ध्यान

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ
अनुपपुर, अनुपपुर के राजनगर और डोला में गली गली नुक्कड़ नुक्कड़ बिक रही अनिल राजपूत की शराब पुलिस और आबकारी नही दे रही ध्यान , पूरे प्रदेश में एक तरफ अहाते सरकार के आदेश अनुसार बंद कर दिए गए है वही राजनगर और डोला में हर गली नुक्कड़ पर लगभग हर होटल में शराब बिक भी रही है और लोग बैठ कर शराब का आनंद उठा रहे है , ये देख कर लगता है राजनगर और डोला में सरकार का कानून न चल कर अनिल राजपूत का कानून चलता है , राजनगर में स्टेडियम के पास कमलेश होटल, रामनगर डोला में कुल्हड़ ढाबा जिसमे सबसे ज्यादा शराबियो की पसंद नजर आती है 24 घंटे इन दो जगहों पर शराब उपलब्ध है , वैसे तो राजनगर में शराब बिक्री के और भी कई ठिकाने है पर एक तो थाने के पास ही स्थित है जो न्यू राजनगर बजार ग्राउंड में है जहा से रामनगर थाना महज 100 मीटर ही दूर है

पर शायद अनिल राजपूत के नोटों का वजन इतना ज्यादा है की थाना प्रभारी नोटों के वजन से दबे बैठे हुए है और उन्हें गली गली नुक्कड़ नुक्कड़ अवैध शराब के ठिकाने दिखते ही नहीं , वही आबकारी की बात की जाए तो अनुपपुर जिले की आबकारी की तो बात ही निराली है इन्हे शराब ठेकेदार , ठेकेदार नही बल्कि सीधे भगवान नजर आते है की ये ठेकेदार जो चाहे वो करे हमको बस उसकी बात मानना है चाहे वो सही हो या गलत तो कहा से इन गैर कानूनी शराब बिक्री पर प्रतिबंध लगे जब कोई अनिल राजपूत जैसे बाहुबली ठेकेदार पर कार्यवाही ही नही करना चाहता।।। क्या इसी तरह ये शराब की पैकारी जारी रहेगी या इस पर लगाम लगेगी , क्या अनुपपुर के नए पुलिस अधीक्षक अनिल की अवैध शराब पैकारी पर लगाम लगाएंगे।

त्यौहारों से पहले कुठला
पुलिस का एक्शन मोड

संदिग्ध और शराब पीने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए कटनी की कुठला पुलिस एक्शन में। पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया, नगर पुलिस अधीक्षक ख्याति मिश्रा के मार्गदर्शन में कुठला पुलिस का एक्शन मोड दिखाई दिया। थाना कुठला पुलिस द्वारा ग्राम कन्हवारा एवं लमतरा हाईवे के पास सार्वजनिक स्थान पर संदिग्धों एवं आवारा तत्वों, अनावश्यक रूप से खड़े लोगो को पकड़ा और इसके बाद पुलिस ने कन्हवारा शराब दुकान के पास रेड की कार्यवाही की सार्वजनिक स्थान पर शराब पी रहे लोगो में अफरा तफरी मच गई

कुठला पुलिस की टीम ने घेरा बंदी कर शराबियों को पकड़ा और थाना ले आए । पकड़े गए संदिग्धों एवं आवारा तत्वों व शराब पीने वाले से पुलिस ने पूछताछ की साथ ही हिदायत दी गई कि आइंदा संदिग्ध स्थानों पर खड़े नही होंगे पकड़े गये सभी लोगों के आपराधिक रिकार्ड खंगाले जा रहे है। थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने बताया कि आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए कार्यवाही की है और ऐसा ही एक्शन जारी रहेगा। कुठला पुलिस की इस अनोखी कार्यवाही की पूरे इलाके में प्रशंसा हो रही है।

पंचायत ने खेत में करवाया घटिया पुलिया निर्माण सड़क का अता-पता नहीं

मामला बैहर जनपद अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सिजोरा का, पुल निर्माण में उठ रही जांच कि मा

लाकेश पंचेश्वर। सिटी चीफ
बालाघाट, आदिवासी अंचलों में शासन कि राशि का किस तरह से दुरुपयोग किया जा रहा है यह आप स्वयं देख सकते हैं और किस तरह से लोगों को विकास कार्य के नाम गुमराह किया जा रहा है तथा संबंधित अधिकारी जानकर भी अनजान बने हुए हैं वह भी चंद कमीशन के चक्कर में वहीं पुल बनकर तैयार भी हो गया लेकिन संबंधितअधिकारी ने कोई एक्शन नहीं लिया है। हम बात कर रहे हैं बैहर जनपद पंचायत अन्तर्गत आने वाली ग्राम सिजोरा कि जहां पर सरपंच सचिव ने अपने फायदे के चक्कर में पंचायत कि राशि का दुरुपयोग किया है इस पुल में आवागमन के कोई साधन नहीं है और यह पुल खेत में बना है जहां पर किसी कि नजर ना पड़े तथा

पुल भी ऐसा बना है कि अधिक बारिश नहीं झेल सकता है कमीशन के चक्कर में खेत में ही पुलिया का निर्माण कार्य कर दिया है जिसमें भ्रष्टाचार कि बू आ रही है तथा पुल कभी भी धसक सकता है ग्रामीणों ने उक्त निर्माण कार्य कि जांच कि मांग मीडिया के माध्यम से संबंधित विभाग से कि है तथा संबंधित निर्माण एजेंसी पर कार्यवाही कि मांग कि है। वहीं सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार पुल निर्माण के समय कोई भी अधिकारी इस निर्माण कार्य पर नजर नहीं आये है मनमर्जी के हिसाब से काम हुआ है शासन के नियमों का कही से कहीं तक पालन नहीं किया गया है। तथा इस पुल में कम एमएम कि लोहे कि राड लगाई गई है तथा सीमेंट भी उच्च स्तर नहीं लगाई गई है यदि इस पुल कि इमानदारी से जांच हो जाये तो कार्यवाही निश्चित ही है।लेकिन देखने में अधिक्तर यह आया है कि अधिकारी वर्ग हमेशा ही निर्माण एजेंसी को बचाने के चक्कर में लगे रहते हैं ये लोग क्यों बचाते हैं यह जग जाहिर है इसको लिखने कि जरूरत हि नहीं है।

पुल बनकर तैयार सुचना बोर्ड का अता-पता नहीं

ज्ञात हो कि शासन से लाखों रुपए कि राशि से पुल का निर्माण कार्य तो किया गया है लेकिन अभी तक उक्त स्थान पर सुचना बोर्ड नहीं लगा है और यह कोई नई बात नहीं है कि सुचना बोर्ड नहीं लगा है हम आपको अवगत करा देवें कि इस जिले के अंदर ऐसे बहुत से शासकीय निर्माण कार्य हुए हैं लेकिन सुचना बोर्ड का अता-पता नहीं रहता है हमने कई बार अखबार के माध्यम से अवगत कराने का प्रयास किया लेकिन आज तक कोई भी अधिकारी ने कोई एक्शन नहीं लिया है इसी से पता लगता है कि शासन कि राशि में सबका कमीशन फिक्सिंग रहता है तभी तो इतना भ्रष्टाचार करने पर भी कोई कार्यवाही नहीं होती है उल्टा शिकायतकर्ता को ही अधिकारियों द्वारा फसा दिया जाता है ताकि कोई शिकायत ना कर सके। यदि किसी ने भुलवंश शिकायत कर भी दिया तो उसकी चप्पल घिस जाती है फिर भी उसको न्याय नहीं मिलता है।अब देखना यह है कि खबर प्रकाशन के बाद संबंधित अधिकारी कब हरकत में आते हैं तथा किस तरह से कौन सी कार्यवाही होती है या फिर ऐसे ही लापरवाही चलते रहेगी यह तो समय बताएगा।

वैश्य अग्रवाल समाज नागल की बैठक में युवा वैश्य अग्रवाल समाज का गठन किया गया, बैठक में सर्व सम्मति से कपिल तायल चुने गए अध्यक्ष

सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर (नागल)। वैश्य अग्रवाल समाज नागल की बैठक में युवा वैश्य अग्रवाल समाज का गठन किया गया। जिसमें सर्व सम्मति से कपिल तायल को अध्यक्ष चुना गया। बैठक में सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। बैठक में महाराजा 1008 श्री अग्रसेन जी की जयंती धूमधाम से मनाने पर विचार-विमर्श किया गया। वैश्य अग्रवाल समाज नागल के अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने कहा कि नागल में युवा वैश्य अग्रवाल समाज का गठन भले ही कर दिया गया हो लेकिन वैश्य समाज एवं युवा वैश्य समाज दोनों इकाई सामूहिक रूप से ही सभी कार्य करेंगी। बैठक में काफी विचार-विमर्श कर निर्णय लिया गया कि 3 अक्टूबर की जिला मुख्यालय पर महाराजा अग्रसेन की जयंती मनाई जाएगी इसलिए हमें यहां पर इसके बाद का कोई दिन निश्चित करना होगा। जयंती हेतु दिन, स्थान व कार्यक्रम का स्वरूप आदि का युवा वैश्य समाज अपनी बैठक कर निर्णय लेगा। इस बार कार्यक्रम की अधिकांश जिम्मेदारी युवाओं के कंधे पर होगी। बैठक में युवा वैश्य समाज सहारनपुर में जिला मंत्री मनोनीत होने पर मोहित गोयल का समाज के संरक्षक राजेंद्र अग्रवाल ने माल्यार्पण का स्वागत किया। इसके अलावा गौरव तायल, नवीन गर्ग अमित गर्ग, सचिन राठी, सैंकी तायल, नितिन माहेश्वरी, प्रणव गुप्ता, गौरव गुप्ता, मोहनलाल तायल को उपाध्यक्ष बनाया गया। मनोज गर्ग को महामंत्री, तुषार गर्ग, नितिश गर्ग को, कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। सोनू गुप्ता, श्रेष्ठ तायल, नवनीत बंसल, पुनीत महेश्वरी, उदय गोयल, विजय बंसल, जॉनी बंसल, आर्यन बंसल वंश बंसल, आयुष बंसल पियूष बंसल, गोपाल राठी, राहुल गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, अक्षय गुप्ता, विभू राठी, व अनमोल तायल को मंत्री बनाया गया। इन सभी पदाधिकारियों का वैश्य अग्रवाल समाज नागल के राजेंद्र अग्रवाल, पवन गोयल, श्रवण तायल, सतीश तायल, मुकेश महेश्वरी, मुकेश बंसल, श्रवण गुप्ता, दीपक गुप्ता व अजय अग्रवाल ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।

भजन गायक अशोक साहनी ने गणेश जी के मधुर भजन सुनाकर सभी को आनंदित कर दिया

सत्संग भवन में विधि-विधान के साथ प्रारंभ हुआ 11 दिवसीय श्री गणेश महोत्सव

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
देवबंद (सहारनपुर)। श्री सिद्धि विनायक सेवा मण्डल के तत्वावधान में 11 दिवसीय श्री गणेश महोत्सव का विधिवत शुभारंभ हो गया। लाजपत नगर कालोनी स्थित सत्संग भवन में आयोजित श्री गणेश महोत्सव का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष विपिन गर्ग ने किया। पूजन पंडित कालिका प्रसाद ने किया। भजन गायक अशोक साहनी ने गणेश जी के मधुर भजन सुनाकर सभी को आनंदित कर दिया। कार्यक्रम के संयोजक संजय सलूजा व सचिन छाबड़ा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री गणेश महोत्सव श्रद्धा व उत्साह से मनाया जाएगा। प्रथम दिन के यजमान मनोज राणा-श्रुति राणा एवं नितिन छाबड़ा-खुशी छाबड़ा रहे। वहीं, दूसरे दिन के यजमान पुनीत छाबड़ा-ममता छाबड़ा, अनू छाबड़ा-विजेता छाबड़ा, सचिन सिंघल-मीनू सिंघल एवं अजय वर्मा-निधि वर्मा रहे। कार्यक्रम में शुभदीप संघ महिला मंडल का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान सेठ कुलदीप कुमार, धर्मपाल महाजन, दलीप मल्होत्रा, सभासद विपिन त्यागी, राजू सचदेवा, सतीश अरोड़ा, रानी गंभीर, दीपिका छाबड़ा आदि मौजूद रहे।

शिक्षक माधव पटैल ने बच्चों की जिज्ञासाओं को समझा और सफल हुये

शिक्षक दिवस पर माधव पटैल को राष्ट्रपति जी द्वारा सम्मानित किया गया

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ
दमोह, शिक्षक माधव पटैल का पहला उद्देश्य विद्यार्थियों को विद्यालय तक लाने का, उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने का था, क्योंकि यदि विद्यार्थी विद्यालय नहीं आएंगे तो उनको पढ़ाने-लिखाना और सिखाना संभव नहीं हो पायेगा। इसके लिए माधव पटैल ने दो प्रयास किये, पहला प्रयास किया की साप्ताहिक पुरस्कार देना प्रारंभ किया, इसमें जो विद्यार्थी बिना गैप किए सप्ताह में पूरे दिन स्कूल आएगा, उनका एक सप्ताह के लिए स्कूल के बोर्ड पर नाम लिख दिया और उसको प्रार्थना सभा का मौका भी दिया, दूसरे बच्चों इससे प्रेरित हुए, की इसको मिल गया तो मुझे भी मिल सकता है। इससे विद्यार्थियों में एक नई चेतना जागृत हुई और माधव पटैल के मन ने हिलौरें मारना शुरू किया और आगे बढ़ते गये, आज शिक्षक माधव पटैल का सफर यू ही आगे बढ़ता गया और वे अपने मुकाम में सफल हुये जब उन्हें शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से 05 सितंबर को राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया।

दमोह जिले के विकासखंड बटियागढ़ के शासकीय नवीन माध्यमिक शाला लिधौरा के शिक्षक माधव पटेल ने 2007 से शिक्षकीय जीवन की शुरुआत करते हुए सबसे पहले विद्यार्थियों की उपस्थिति और ठहराव सुनिश्चित करने का प्रयास किया। इसके बाद कोरोना काल के दौरान विद्यार्थियों का लर्निंग गैप खत्म करने के लिए मोहल्ला कक्षाओं के साथ-साथ खेत पाठशाला का नवाचार कर प्रत्येक मोहल्ले में लर्निंग बोर्ड बनाकर स्वयं सेवक चिन्हित किए, साथ ही विषयगत कठिन अवधारणाओं का ग्राम के प्रमुख स्थलों पर लेखन कार्य करवाया, जिससे विद्यार्थियों की दृष्टि बार-बार उन अवधारणाओं पर पड़े और वह उनको पढ़ सकें। विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावकों को पुस्तकालय से जोड़ने के लिए घूमता पुस्तकालय की अवधारणा को क्रियान्वित करते हुए मोटर साइकिल पर उसके रखकर पालकों से संपर्क किया उनको पुस्तक पढ़ने को दी और पुस्तकालय आमंत्रित किया विद्यार्थियों में विज्ञान की जिज्ञासा जागृत करने के लिए विज्ञान दीवार का निर्माण करवाया।

सफर यहीं खत्म नहीं हुआ उन्होंने लगातार मेहनत करते हुये पुराने अखबारों के माध्यम से विद्यार्थियों के समूह बनाकर उनमें संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण के कार्य देकर बिना किसी तनाव के व्याकरण अध्ययन करवाया। साथ ही कठिन अवधारणाओं को खेल गतिविधियों के माध्यम से सरलीकृत करते हुए विद्यार्थियों तक शिक्षण प्रक्रिया की पहुंच को सरल बनाया। कोविड के दौरान मन में आए विभिन्न नवाचारों को निरंतर जारी रखते हुए विद्यार्थियों की विशेष शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त की।

शिक्षक माधव पटैल ने बच्चो की शैक्षिक आवश्यकताओं को समझ कर अपनी शिक्षण प्रक्रिया में बदलाव कर बच्चों और अभिभावकों के मन में जगह बनाई। कोरोना काल में बच्चों से जुड़े रहने के लिए एवं वर्ष 2020 में नवाचारों के लिए वर्ष 2020 में राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार मिला। विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने के प्रयासों की सफलता के लिए एनसीईआरटी में केश स्टडी चयनित हुई। लर्निंग बोर्ड, कठिन अवधारणाओं का लेखन, पुस्तकालय से अभिभावकों को जोड़ने की पहल आदि प्रमुख कार्य रहे है।

अभिभावक गणेश कुशवाहा बताते हैं कि शिक्षकों द्वारा कोरोना काल के दौरान संचालित की गई मोहल्ला कक्षाओं से हमारे बच्चों का शैक्षिक स्तर बना रहा और वह अगली कक्षाओं में अच्छे से अध्ययन कर रहे हैं। छात्र नीरज राजपूत, भगवान सिंह राजपूत बताते हैं कि कोरोना काल में मोहल्ला कक्षा में किए गए अध्ययन के कारण अब हम अगली कक्षाओं में आसानी से पाठ्यक्रम को समझ पा रहे है।

भारतीय जनता पार्टी के चल रहे सदस्यता अभियान के तहत दर्जनों लोगों ने ग्रहण की भाजपा की सदस्यता

संगठन में शामिल हुए सभी लोगों का पटका पहनाकर अभिनंदन किया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, भारतीय जनता पार्टी के चल रहे सदस्यता अभियान के तहत आज दर्जनों लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान संगठन में शामिल हुए सभी लोगों का पटका पहनाकर अभिनंदन भी किया गया। सदस्यता अभियान के तहत पं. रूद्र मिश्रा, अजय त्यागी, अजय कुशवाह, अनुज सैनी, अजय प्रजापति, अनुज प्रजापति, मानव वर्मा, कुलदीप सैनी, आकाश सैनी, कृष्ण वर्मा, गोरख कुमार व अभिषेक सैनी आदि ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। जिनका भाजपाइयों ने पटका पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान भाजपा नगराध्यक्ष अरुण गुप्ता ने सभी कार्यकर्ताओं से कंधे से कंधा मिलाकर संगठन को मजबूत करने पर बल दिया। इस अवसर पर नगर उपाध्यक्ष विकास त्यागी, जोगेंद्र जाटव व राजेश अनेजा ने कहा कि भाजपा राष्ट्रवादी विचारधारा रखने वालों की पार्टी है। इस मौके पर काफी संख्या में भाजपाई मौजूद रहे।

दमोह कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा

प्रयास किया जायेगा जितना बेहतर से बेहतर इन स्कूलों को बना सकेंगे बनाएंगे

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ
दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आज पटेरा, कुण्डलपुर एवं बमनपुरा की शालाओं का आकस्मिक जायजा लिया। उन्होंने पटेरा और कुण्डलपुर में पीएम श्री शालाओं का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं को देखा। कलेक्टर ने पटेरा पीएम श्री शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों को हटाने के निर्देश दिये। उन्होंने स्कूल के मैदान को सुरक्षित करने के साथ व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने नागरिकों को समस्याओं को भी सुना और निराकरण के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। कलेक्टर ने कुण्डलपुर पहुंचकर पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल कुंडलपुर का जायजा लिया खेल मैदान हेतु स्थल देखा, स्कूल की कक्षाओं का जायजा लिया छात्राओं से रूबरू हुये । बुनियादी सुविधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने शिक्षक और अभिभावकों की बैठक ली। उन्होंने ग्राम बमनपुरा शाला में शिक्षक-अभिभावकों के साथ बैठक ली। छात्र-छात्राओं से बातकर पढ़ाई के संबंध में चर्चा की। कलेक्टर ने कहा जिले में टोटल 11 पी.एम. श्री स्कूल है, निरंतर उनका निरीक्षण किया जा रहा है। आज पटेरा और कुंडलपुर दो पीएम श्री स्कूलों का निरीक्षण किया है, यहां पर सारी चीजों को देखा और समझा है। जहां आवश्यक लगा है समुचित दिशा निर्देश जनपद पंचायत, शिक्षा विभाग और तहसील के सभी अधिकारियों को दिए हैं। आज यहां पर पेरेंट्स टीचर मीटिंग भी की है, जिसमें अभिभावकों से भी चर्चा की है, उन्होंने भी बहुत अच्छे सुझाव दिए हैं। प्रयास करेंगे कि जितना बेहतर से बेहतर इन स्कूल को बना सकें हम बनाएंगे।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर पालक शिक्षक मीटिंग में हुए शामिल

हर माह में आयोजित बैठक में पालकों का उपस्थित होना बहुत जरूरी - कलेक्टर

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ
दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर पटेरा जनपद के बमनपुरा स्कूल पहुंचे। उन्होंने यहां पर पालक शिक्षक मीटिंग (पीटीएम) की बैठक में शामिल होकर पालकों से चर्चा की, छात्रों से भी चर्चा की। उन्होंने यहां पालक शिक्षक मीटिंग के संबंध में शिक्षकों से कहा कि आप किस तरह से पालक शिक्षक मीटिंग करते हैं, करें। कलेक्टर ने पालक शिक्षक की बैठक देखी और उसके बाद किस तरह से बैठक ली जानी चाहिए के संबंध में विस्तार से बताते हुए आगामी बैठकर उसी तरह से करने के निर्देश दिए। उन्होंने पालकों और छात्रों से विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की उसके बाद सभी के साथ उन्होंने फोटो सेशन भी हुआ। कलेक्टर ने पालकों से कहा हर माह में आयोजित बैठक में आप सब का उपस्थित होना बहुत जरूरी हैं, इस बैठक के महत्व से भी पलकों को अवगत कराते हुए कहा कि इस बैठक में बच्चों के माता-पिता साथ में अवश्य आए। इसके पूर्व कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर एकीकृत शासकीय नवीन हाई स्कूल कुंडलपुर में पेरेन्ट्स टीचर मीटिंग (पेटीएम) में शामिल हुए। उन्होंने पालकों से इस संबंध में चर्चा की और उनके सुझाव भी सुने। बैठक के दौरान पालकों ने कहा कि बच्चों को क्लास में रोटेशन से आगे बैठने का शुरुआत कराई जायें। इस अवसर पर डीपीसी मुकेश द्विवेदी एवं नोडल अधिकारी असाटी, तहसीलदार पटेरा शैलेन्द्र बिहारी शर्मा, सीईओ रावत और पटेरा बीआरसी मौजूद रहे।

अवंतीपुर बड़ोदिया पुलिस ने चोरी हुए लहसुन के साथ आरोपियों को किया गिरफ्तार

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, लहसुन चोरी के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 30 एवं 31 अगस्त की दरमियानी रात्रि में फरियादी हरिओम पिता मनोहर परमार निवासी पाड़लिया के घर में रखी 24 कट्टे लहसुन अज्ञात चोर चोरी कर ले गए थे। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना अवन्तिपुर बड़ोदिया में अपराध पंजीबद्ध किया गया था। वहीं मामले में थाना प्रभारी उनि घनश्याम बैरागी के द्वारा टीम गठित की गई, जिसमें टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज एवं जमिनी मुखबिरी के आधार पर चोरों की तलाश की गई। इस दौरान घटना से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले और 8 सितंबर 2024 की रात करीबन 11.10 बजे मुखबिर ने सूचना दी कि ग्राम पाड़लिया से लहसुन चोरी करने वाले आरोपी गाड़ी से सोनकच्छ देवास तरफ जाने वाले हैं। मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी का वाहन को रोका गया और वाहन में रखा चोरी का लहसुन बरामद किया गया। साथ ही आरोपी पप्पू पिता बशीर खां उम्र 30 साल निवासी गांधी ओटला बुधवारिया बाजार पीपलरावा तथा संजयसिंह पिता मनोहरसिंह दांगी उम्र 36 साल निवासी ग्राम धान्देड़ा थाना पीपलरावा को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों ने पूछताछ में लहसुन चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने बताया कि चोरी गया 24 बोरी लहसुन बरामद कर लिया गया है।

दमोह में श्री अतिगणेश यज्ञ तृतीय दिवस हुआ दूर्वा अर्चन

भगवान को अर्चन बहुत प्रिय है

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, श्री अतिगणेश यज्ञ के तृतीय दिवस आज भगवान को दिया गया अर्चन, दूर्वा से अर्चन कराया गया, जैसे ही प्रात: काल पूजन पाठ के साथ दूर्वा से अर्चन प्रारंभ हुआ वैसे ही भगवान श्री गणेश की अनुकंपा बारिश के रूप में शीतलता प्रदान करने जमीन पर बरस पड़ी और चारों ओर शीतलता छा गई ऐसी शीतलता जो दूर्वा में पाई जाती है, साक्षात जो लोग मौजूद थे वह मंत्र मुग्ध हो गए, और भगवान ने दूर्वा का अर्चन ग्रहण किया जिसको देखकर सब लोग चकित हुए, श्री श्री भगवान पीठाधीश्वर ने बताया कि भगवान के नाम से जो यज्ञ होते हैं और यदि उसे यज्ञ में बारिश हो जाती है वहा भगवान का बड़ा चमत्कार माना गया है क्योंकि बारिश हमारे मन को हमारे तन को शीतलता प्रदान करती है और सुबह भी बारिश हुई और शाम को भी जैसे ही आहुति प्रारंभ हुई और बारिश आ गई इससे हम समझ सकते हैं कि भगवान को मंत्र उच्चारण के साथ प्रसन्न कर सभी इच्छाओं को पूरा किया जा सकता है अगर सभी धर्म प्रेमी आहुति लगाने हेतु सवा लख मानस पाठ में पहुंचे और धर्म लाभ अर्जित करें क्योंकि श्री भगवान गणेश जल्दी से प्रसन्न होने वाले और मनोकामना को पूर्ण करने वाले होते हैं, भगवान को अर्चन (पूजन या पूजा अर्चना) अत्यधिक प्रिय होता है क्योंकि यह भक्त की श्रद्धा, प्रेम, और समर्पण का प्रतीक होता है। अर्चन के माध्यम से भक्त अपने ईश्वर के प्रति अपनी भक्ति और निष्ठा व्यक्त करता है। ऐसा माना जाता है कि जब भक्त मन, वचन, और कर्म से भगवान की अर्चना करता है, तो भगवान उसकी भक्ति को स्वीकार करते हैं और उसे आशीर्वाद प्रदान करते हैं। पूजा और अर्चन के माध्यम से भगवान और भक्त के बीच एक गहरा और आध्यात्मिक संबंध स्थापित होता है। श्री आनंदकंद दयाल आश्रम में काशी बनारस से पहुंचने वाले संतों में सत्य चेतन जी महाराज उनके साथ पधारे शास्त्री जी जिन्होंने यज्ञ में सहयोग कर साल में सप्त ऋषि ब्राह्मण दमोह के लिए भेजें, वही बलराम दास जी मैं अपने आशीर्वचन से सत्संग प्रदान किया दामों के वरिष्ठ महंत माता कंकाली मंदिर के पुजारी भरत जी भी इस कार्यक्रम में अपना पूर्ण सहयोग दे रहे है।

राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता निवारण समिति की स्टेट कांफ्रेंस संपन्न

शाजापुर के प्रतिनिधि भी हुए शामिल

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता निवारण समिति की भोपाल के निजी होटल में स्टेट कांफ्रेंस संपन्न हुई जिसमें शाजापुर के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। गतदिनों आयोजित कांफ्रेंस भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ नई दिल्ली के निदेशक अरुण तोमर के मुख्य आतिथ्य एवं संस्था के प्रदेश अध्यक्ष डॉ शरद पंडित की अध्यक्षता, प्रो डा यू एस तिवारी के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुई। स्वागत भाषण संस्था के कोषाध्यक्ष नागेश व्यास ने दिया। संस्था के प्रदेश सचिव अनिरुद्धसिंह सेंगर ने संस्था की गतिविधियों एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि संस्था द्वारा विद्यालयों में छात्रों का नेत्र परीक्षण करके चश्मों की जांच करना, बच्चों को निःशुल्क चश्मे प्रदान करना। मलिन बस्तियों में निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित करना, वनवासी बस्तियों में निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित करना, दृष्टिविहीनता दूर करने मोतियाबिंद ऑपरेशन करवाना, नेत्र सुरक्षा के प्रति आम जनमानस में जागृति पैदा करना, राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े का 25 अगस्त से 8 सितंबर तक आयोजन करना, बच्चों को नेत्रदान के संबंध में जानकारी देने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करना महत्वपूर्ण कार्य हैं। वहीं मुख्य अतिथि तोमर ने संस्था के कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि आप लोग समाज सेवा के पुनीत कार्य में लगे हुए हैं यही सच्ची मानव सेवा है। पीड़ित मानवता की सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म है। आप लोग दृष्टिविहीनता दूर करने प्रयासरत हैं। आपके इस पुनीत कार्य में मैं भी सहयोगी बनना चाहूंगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्था के प्रदेश अध्यक्ष डॉ शरद पंडित ने संस्था के विस्तार पर बल दिया। उन्होने कहा कि एनएसपीबी की सभी इकाईयों को सक्रिय होने की आवश्यकता है। साथ ही जिन जिलों में इकाईयां गठित नहीं हैं वहां गठन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। विशिष्ट अतिथि प्रो डा यू एस तिवारी ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम की सफलता के लिए आयोजक टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि भविष्य में हम सब मिलकर समाज हित में कार्य करते रहें। इस दौरान प्रकाशित स्मारिका नयन का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में शाजापुर के जिलाध्यक्ष डॉ एआर खान ने अपने संबोधन में संस्थान को अधिक से अधिक नेत्र शिविर जनहित में लगाने के सुझाव दिए।

चीन से लहसुन भारत लाए जाने पर किसानों ने किया विरोध प्रदर्शन

आज से अनिश्चितकालीन मंडी बंद

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, चीन से लहसुन को भारत मंगाए जाने को लेकर किसानों में केंद्र सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है और इसीके चलते किसानों ने अश्चितकालीन मंडी बंद का ऐलान कर दिया है। किसानों के इस निर्णय का मंडी व्यापारियों ने समर्थन करते हुए सरकार के फैसले का विरोध कर नारेबाजी की। सोमवार को शाजापुर लहसुन मंडी में किसान और व्यापारियों ने एकजुट होकर केंद्र सरकार की चीन से लहसुन भारत लाने के फैसले का विरोध करते हुए जमकर नारेबाजी की। किसानों ने बताया कि भारत सरकार द्वारा किसान विरोधी नीति अपनाते हुए चीन से भारत लहसुन लाया जा रहा है, जिसकी वजह से लहसुन के दामों में 5 हजार रुपये प्रतिक्विंटल तक की गिरावट आ गई। सरकार की इस नीति की वजह से किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है, जिसके विरोध में शाजापुर मंडी 10 सितंबर 24 से अनिश्चितकाल के लिए बंद रखी जाएगी। जब तक सरकार अपना किसान विरोधी फैसला वापस नही लेती तब तक आंदोलन जारी रहेगा और कोई भी किसान अपनी उपज लेकर मंडी नही पहुंचेगा।

व्यापार में हो रहा घाटा-

चीन से लाए जा रहे लहसुन को लेकर किसानों के द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन का मंडी व्यापारियों ने भी समर्थन किया। व्यापारियों ने बताया कि सरकार की गलत नीतियों की वजह से व्यापार करने में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। चीन से लहसुन भारत आने से दामों में गिरावट हुई है और व्यापार में घाटा हो रहा है। किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार तुरंत ही चीन से भारत में हो रही लहसुन की आवक पर रोक लगाए। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में मंडी व्यापारी और किसान मौजूद रहे।

जिले की 03.20 लाख लाड़ली बहनों के खाते में जमा हुई 39.11 करोड़ रुपये की राशि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बीना में आयोजित कार्यक्रम में सिंगल क्लिक से अंतरित की राशि

खरगोन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 09 सितंबर को सागर जिले के बीना से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के हितग्राहियों के खातों में राशि अंतरित की है। सागर जिले के बीना कृषि उपज मंडी में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाड़ली बहना योजना की 1.29 करोड़ बहनों के खातों में 1574 करोड़ रूपये की राशि अंतरित की है। इसी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों के खाते में 332.43 करोड़ रूपये अंतरित की है। सागर जिले के बीना में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कलेक्ट्रेट कार्यालय के एनआईसी कक्ष में दिखाया गया। इस कार्यक्रम में कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया जोशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री बापुसिंह परिहार, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती भारती आवास्या, सहायक संचालक सुश्री मोनिक बघेल सहित लाड़ली बहना योजना व सामाजिक सुरक्षा पेंशन से लाभान्वित बहने शामिल हुई। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिले के समस्त नगरीय निकायों, जनपद पंचायतों, ग्राम पंचायतों एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में दिखाया गया। खरगोन जिले की कुल 03 लाख 20 हजार 649 बहनों के खाते में लाड़ली बहना योजना की 39 करोड़ 11 लाख 40 हजार 450 रुपये की राशि अंतरित की है। इसमें 03 लाख 04 हजार 531 बहनों के खाते में 1250-1250 रुपये की दर से 38 करोड़ 06 लाख 63 हजार 750 रुपये की राशि जमा हुई है। इसी प्रकार सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की हितग्राही 16 हजार 118 बहनों के खाते में 650-650 रुपये की दर से 01 करोड़ 04 लाख 76 हजार 700 रुपये की राशि जमा हुई है। उल्लेखनीय है कि अब तक लाड़ली बहना योजना के तहत प्रदेश की लाड़ली बहनों को 24,499 करोड़ तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों को 03 हजार करोड़ रूपये से अधिक की राशि उनके खातों में अंतरित की गई है।

उज्जैन कमिश्नर तथा आईजी द्वारा मेडिकल कॉलेज में सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई

रतलाम। कमिश्नर उज्जैन श्री संजय गुप्ता तथा उज्जैन पुलिस महानिरीक्षक श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा सोमवार को रतलाम के डॉ लक्ष्मी नारायण पांडे मेडिकल कॉलेज में बैठक लेकर कॉलेज की सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री राजेश बाथम, डीआईजी रतलाम रेंज श्री मनोज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री राहुल लोढ़ा, अपर कलेक्टर डॉ शालिनी श्रीवास्तव, कॉलेज डीन डॉ अनीता मुथा, एसडीएम श्री अनिल भाना, निगम आयुक्त हिमांशु भट्ट आदि उपस्थित थे। बैठक में संभाग आयुक्त ने कॉलेज सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि कॉलेज स्टाफ तथा स्टूडेंट की सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रूप से की जाए। मेडिकल कॉलेज की बाउंड्री वॉल ऊंची की जाए समुचित प्रकाश व्यवस्था रहे। कॉलेज के मुद्दों की समीक्षा नियमित रूप से कलेक्टर द्वारा समय सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में की जावे, कॉलेज डीन नियमित रूप से परिसर में औचक निरीक्षण करे जिसका रजिस्टर मेन्टेन हो। आईजी श्री संतोष कुमार सिंह ने निर्देशित किया कि कॉलेज की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा गार्ड्स का वेरिफिकेशन किया जाए, उनके डॉक्यूमेंट प्राप्त किए जाएं। उच्च क्षमता तथा गुणवत्ता के सीसीटीवी लगाए जाएं, सीसीटीवी डाटा सेव करें। कमिश्नर श्री गुप्ता ने निर्देशित किया कि शासन द्वारा जारी किए गए सुरक्षा नियमों के अनुरूप कॉलेज की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। अनाधिकृत रूप से पार्किंग वाले वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। मेडिकल कॉलेज में अनाधिकृत रूप से अंदर आने वाली प्राइवेट एंबुलेंस के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। मरीजो के परिजनों के रात्रि विश्राम की समुचित व्यवस्था की जाए। मेडिकल कॉलेज द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में कैंप लगाकर निर्धन गरीबों का उपचार सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री राजेश बाथम ने कमिश्नर श्री गुप्ता को बताया कि विगत दिनों पुलिस अधीक्षक के साथ उनके द्वारा निरीक्षण करके मेडिकल कॉलेज की बाउंड्री वॉल की ऊंचाई में वृद्धि हेतु पीआईयू को निर्देशित किया गया है। उच्च गुणवत्ता के सीसीटीवी कैमरे लगाने हेतु मेडिकल कॉलेज डीन को निर्देशित कर दिया गया है। गर्ल्स हॉस्टल का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया है। गर्ल्स हॉस्टल में समस्त कर्मचारी महिलाएं ही हो यह सुनिश्चित किया गया है। मेडिकल कॉलेज डीन डॉ अनीता मुथा ने कॉलेज परिसर में की गई सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी देते हुए बताया कि कॉलेज परिसर के मुख्य द्वार पर आने वाले व्यक्तियों वाहनों की जांच और रजिस्टर में एंट्री करने के पश्चात ही प्रवेश दिया जा रहा है। अस्पताल में गंभीर मरीजों हेतु दो गेट पास एवं अन्य मरीजों हेतु एक गेट पास उपलब्ध कराकर पास चेकिंग पश्चात ही प्रवेश की अनुमति है। प्रात:कालीन सत्र प्रात: 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक में दो द्वार एक ओपीडी एक आईपीडी तथा शेष समय में एक द्वार आईपीडी क्रियाशील है। अस्पताल में पार्किंग व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। संस्थान परिसर की बाउंड्री वाल की ऊंचाई हेतु पीआईयू को पत्र लिख दिया गया है। महाविद्यालय स्टाफ तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए उनके आवास एवं कार्य स्थल के मध्य मार्ग को प्रकाश मय किया गया है, उक्त मार्ग में रात्रि कालीन सुरक्षा कर्मियों की पेट्रोलिंग कराई जा रही है। मेडिकल कॉलेज के डीन, अधीक्षक तथा उप अधीक्षक द्वारा दिन के समय एवं रात्रि कालीन नियमित रूप से निरीक्षण किया जा रहा है। स्टाफ के वाहनों के लिए लोगो स्टीकर उपलब्ध कराए गए हैं। डॉक्टरो के रात्रि विश्राम हेतु कक्ष चिन्हित किए गए हैं। डायल 100 वाहन की परिसर के अंदर पेट्रोलिंग करने हेतु पुलिस विभाग से समन्वय किया जा रहा है। कॉलेज परिसर में सुरक्षा नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। कमिश्नर श्री गुप्ता तथा आईजी श्री सिंह ने मेडिकल कॉलेज परिसर का निरीक्षण भी किया। कॉलेज के पीछे हिस्से में पहुंचकर बाउंड्री वॉल एवं गर्ल्स हॉस्टल का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जहां चली थीं किसानों पर गोलियां, उसी मंदसौर से आज शुरू हो रही कांग्रेस की किसान न्याय यात्रा

मध्य प्रदेश में कांग्रेस आज अर्थात मंगलवार से किसान न्याय यात्रा प्रारंभ कर रही है। शुरुआत के लिए उसी मंदसौर शहर को चुना गया है, जहां पूर्ववर्ती शिवराज सिंह चौहान सरकार के समय 6 जून 2017 को उग्र प्रदर्शन कर रहे किसानों में से पांच की पुलिस की गोली लगने से मौत हो गई थी।तब कांग्रेस ने इस मुद्दे को खूब भुनाया था। यहां तक कि राहुल गांधी भी उस दौरान मंदसौर पहुंचे थे। ऐसे में इस बार मंदसौर से ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी यात्रा का शुभारंभ करेंगे। 20 सितंबर के बाद यह यात्रा प्रदेश के सभी जिलों में शुरू होगी। किसानों की खेती की लागत निरंतर बढ़ती जा रही है, जबकि उसे फसल के मूल्य नही मिल रहे हैं। किसानों की पीड़ा को व्यक्त करने के लिए ग्राम देवरिया के किसान कमलेश पाटीदार द्वारा 10 बीघा जमीन पर खडी सोयाबीन की फसल को हांक दिया गया। संगठन मंत्री राजेश रघुवंशी ने बताया कि 10 सितंबर को सुबह मप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी गरोठ विधानसभा के देवरिया ग्राम पहुंचेंगे। यहां पर किसानों के पक्ष में कांग्रेस के समर्थन को व्यक्त करेंगे। इस दौरान वे पीडित किसान से मिल कर हांके गए खेत का निरीक्षण करेंगे एवं अन्नदाता को न्याय दिलाने के लिए देवरिया से सांठखेडा तक ट्रैक्टर रैली निकालेंगे। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के अभा सचिव कुणाल चौधरी, पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, विधायक एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन जैन, दिलीपसिंह गुर्जर, पूर्व मंत्री सुभाष सोजतिया एवं नरेन्द्र नाहटा सहित मंदसौर जिले के सभी पूर्व विधायक, नेता कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

स्वजन कर रहे थे अंतिम संस्कार की तैयारी, पोस्टमार्टम की बात पर युवक उठ बैठा, यह है पूरा मामला

जबलपुर में अचानक हुए एक घटनाक्रम ने सभी को अचरज में डाल दिया। दुर्घटना में घायल एक युवक की गंभीर स्थिति पर उसे बेहतर उपचार के लिए एक अस्पताल ने मेडिकल कालेज रेफर किया। स्वजन को लगा कि युवक की जीवन समाप्त हो गया। उसका मेडिकल कालेज में पोस्टमार्टम होगा। युवक को एंबुलेंस से स्वजन मेडिकल कालेज लेकर जाने के लिए निकले। इधर, उनके कुछ परिचितों ने युवक की अंतिम संस्कार की तैयारी आरंभ कर दी।समस्त स्वजन और पड़ोसी को अंतिम संस्कार का स्थान और समय तक बता दिया गया। दुख प्रकट करने के लिए लोग घर पहुंचने लगे। वहां मातम पसरा हुआ था, तभी अस्पताल से सूचना आयी कि युवक जीवित है। सभी सभी ऊहापोह में फंस गए। सराफा निवासी एक युवक शनिवार को सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था। उसे गंभीर स्थिति में एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया। चिकित्सकों ने रविवार की देर रात को जांच के बाद युवक की स्थिति अति गंभीर बताया। उसे ब्रेन डेड बताया। मृत्यु और अंतिम संस्कार की सूचना प्रसारित कर दी गड़बड़ यहां हो गई कि स्वजन को लगा युवक की मौत हो गई है। मेडिकल कालेज में पोस्टमार्टम होगा। यह समझकर उन्होंने तुरंत अपने स्वजन को फोन लगाया और सोमवार को युवक के अंतिम संस्कार की सूचना दी। इंटरनेट मीडिया पर युवक की मृत्यु और अंतिम संस्कार की सूचना प्रसारित कर दी। स्वजन तुरंत ही युवक के घर पहुंच गए।

जयशंकर ने खाड़ी देशों के विदेश मंत्रियों के साथ कीं द्विपक्षीय बैठकें

रियाध। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को खाड़ी देशों के अपने समकक्षों के साथ बैठकें कीं जिस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति की समीक्षा की तथा उन्हें और अधिक गहरा करने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। जयशंकर भारत-खाड़ी सहयोग परिषद के विदेश मंत्रियों की पहली बैठक में शामिल होने के लिए तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में रविवार को सऊदी अरब की राजधानी पहुंचे। त्नष्टष्ट एक प्रभावशाली समूह है जिसमें संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, सऊदी अरब, ओमान, कतर और कुवैत शामिल हैं। त्नष्टष्ट देशों के साथ भारत का कुल व्यापार 2022-23 में 184.46 अरब डॉलर रहा। जयशंकर ने सोमवार को कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जासिम अल

सानी से मुलाकात की जो विदेश मंत्री का प्रभार भी संभाल रहे हैं। उन्होंने 'एक्स पर लिखा, ''कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जासिम अल सानी से अछी मुलाकात के साथ दिन की शुरुआत की। भारत-कतर के द्विपक्षीय रिश्तों को आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया। क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर उनके दृष्टिकोण तथा आकलन की सराहना करता हूं। जयशंकर ने सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान अल सऊद के साथ द्विपक्षीय बैठक की और द्विपक्षीय रिश्तों में प्रगति पर चर्चा की। उन्होंने 'एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ''सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान से आज रियाद में मुलाकात की। हमारे द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति का जायजा लिया और वैश्विक एवं क्षेत्रीय मुद्दों पर अपने दृष्टिकोण साझा किए। जयशंकर ने रियाद में ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसईदी से भी मुलाकात की और उन्होंने द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल लतीफ बिन राशिल अल जयानी से भी मुलाकात की। उन्होंने 'एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा, ''बहरीन के विदेश मंत्री डॉ अब्दुल लतीफ बिन राशिद अल जयानी से मुलाकात करके खुश हूं। हमारे रिश्ते और बहरीन में भारतीय समुदाय के योगदान पर उनके सकारात्मक मूल्यांकन की प्रशंसा करता हूं। विदेश मंत्री ने कुवैत के अपने समकक्ष अब्दुल्ला अली अल-याहया से भी द्विपक्षीय मुलाकात की। उन्होंने लिखा, ''कुवैत के विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याहया से एक बार फिर मिलकर प्रसन्न हूं। कुवैत में पिछले दिनों हमारी कारगर बैठक को याद किया। हमारे संयुक्त आयोग की एक बैठक जल्द करके भारत-कुवैत द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा की।

नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने जयशंकर की यात्रा शुरू होने से पहले शनिवार को कहा था कि भारत और GCC के गहन और बहुआयामी संबंध हैं जिनमें व्यापार और निवेश तथा ऊर्जा के क्षेत्र, सांस्कृतिक तथा लोगों के संबंध शामिल हैं। उसने एक बयान में कहा, ''जीसीसी क्षेत्र भारत के लिए एक प्रमुख व्यापार साझेदार बनकर उभरा है और यहां बड़ी संख्या में भारत से आए लोग रहते हैं जिनकी संख्या करीब 89 लाख है। जयशंकर तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में यहां पहुंचे हैं। वह रियाद से जर्मनी रवाना होंगे जहां वह जर्मनी के विदेश मंत्री और जर्मनी की सरकार के अन्य मंत्रालयों के प्रभारियों से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण आयाम की समीक्षा करेंगे। यह उनकी बर्लिन की तीसरी द्विपक्षीय यात्रा होगी। अपनी यात्रा के तीसरे और अंतिम चरण में जयशंकर 12 से 13 सितंबर तक जिनेवा की यात्रा करेंगे।

कनाडा में यहूदी छात्रों की सुरक्षा के लिए स्पेशल गश्ती दल तैनात

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो विश्वविद्यालय में फिलिस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शन के दौरान यहूदी छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यहूदी सुरक्षा गश्ती दल, जेफोर्स और मैगन हेरूट कनाडा, तैनात किए गए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में जेफोर्स के लोगो वाली सुरक्षात्मक गियर पहने हुए चार सदस्यों को देखा गया, जिन्हें यहूदी छात्रों को प्रदर्शनकारियों से बचाने के लिए बुलाया गया था।

कनाडाई यहूदी समाचार के अनुसार, शुक्रवार को फिलिस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शन के दौरान ये गश्ती दल टोरंटो विश्वविद्यालय परिसर में तैनात किए गए थे। मैगन हेरूट कनाडा के संस्थापक, आरोन हदीदा ने कहा, हमारा मकसद यहूदी समुदाय की सुरक्षा करना और शांति बनाए रखना है। उन्होंने और उनकी टीम ने निगरानी टीम लिखी हुई काली शर्ट पहनकर परिसर के प्रवेश द्वार पर स्थिति संभाली थी। हदीदा ने बताया कि 7 अक्टूबर के हमले के बाद से दुनिया भर में यहूदी विरोधी घटनाओं में वृद्धि देखी गई है, जिसके बाद से उन्होंने अपनी गश्ती टीम के लिए और अधिक स्वयंसेवकों की भर्ती शुरू की। अगस्त के अंत में कनाडा के 100 से अधिक यहूदी संस्थानों को बम की धमकियों का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद यह कदम उठाया गया। मैगन हेरूट कनाडा के एक स्वयंसेवक, टोची ओसुजी ने ष्टछ्वह्न से कहा कि पुलिस की मदद सीमित होती है और प्रशासन की प्रतिक्रिया धीमी रही है। उन्होंने कहा, यहूदी छात्रों को सुरक्षा का अहसास दिलाना जरूरी है, और हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि कोई उन पर नज़र रख रहा है। यह गश्ती दल यहूदी छात्रों को

सुरक्षा प्रदान करने और संभावित हिंसा से बचाने के उद्देश्य से सक्रिय है।

क्या है मामला ?

यह मामला टोरंटो विश्वविद्यालय में यहूदी छात्रों की सुरक्षा से जुड़ा है, जहां हाल ही में फिलिस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों के दौरान यहूदी छात्रों पर हमले और उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ी हैं। इन विरोध प्रदर्शनों के दौरान कुछ यहूदी छात्रों को खतरा महसूस हुआ, जिसके चलते दो यहूदी सुरक्षा गश्ती दल, जेफोर्स और मैगन हेरूट कनाडा, को परिसर में तैनात किया गया।

विश्वविद्यालय की कार्रवाई पर उठे सवाल

यहूदी विरोधी घटनाओं में वृद्धि- दुनिया भर में यहूदी विरोधी हिंसा और घटनाओं में वृद्धि हुई है, खासकर 7 अक्टूबर 2023 के हमास हमले के बाद। कनाडा में भी यहूदी संस्थाओं को बम की धमकियां और अन्य घृणा अपराधों का सामना करना पड़ा है। यहूदी छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दो गश्ती दल, जेफोर्स और मैगन हेरूट कनाडा, सक्रिय हुए हैं। ये दल विश्वविद्यालय परिसर और अन्य यहूदी सामुदायिक कार्यक्रमों में यहूदी छात्रों और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। इन दलों के सदस्य प्रशिक्षित होते हैं और मार्शल आर्ट में भी निपुण होते हैं, जिससे वे अपनी सुरक्षा जिम्मेदारियों को कुशलता से निभा सकें। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से इन घटनाओं पर धीमी प्रतिक्रिया और कार्रवाई की कमी को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। इससे यहूदी समुदाय में नाराजगी और सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है।

उत्तर कोरिया के तानाशाह की मौत पर पूरे देश को 10 दिन रोना पड़ा

लोगों के आंसू देखने को लगाए गए जासूस

डेस्क। उत्तर कोरिया के पहले तानाशाह किम इल सुंग की मृत्यु ने उत्तर कोरिया में तानाशाही शासन का काला व घिनौना सच सामने आयाहै। किम इल सुंग की मौत 8 जुलाई 1994 को हुई थी। उन्होंने 1948 में डेमोक्रेटिक पीपल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (डीपीआरके) की स्थापना के बाद सत्ता संभाली थी। वे सोवियत नेता जोसेफ स्टालिन की मदद से कोरिया के सर्वोच्च नेता बने। स्टालिन ने चो मान सिक की बजाय किम इल सुंग को चुना क्योंकि उन्हें लगा कि किम इल उनकी इच्छाओं को बेहतर तरीके से लागू करेंगे।

किम इल सुंग की मौत के बाद, उत्तर कोरिया में 10 दिनों तक शोक मनाया गया। इस दौरान, लोगों को सार्वजनिक स्थलों पर रोना अनिवार्य कर दिया गया। यह सुनिश्चित करने के लिए कि लोग सच में दुखी हैं या केवल दिखावा कर रहे हैं, सरकार ने जासूसों की तैनाती की। इन जासूसों का काम यह था कि लोग शोक प्रकट करने में ईमानदार हों। किम इल सुंग की मृत्यु ने उत्तर कोरिया में तानाशाही शासन के चरम को उजागर किया।

उनकी मौत के बाद का शोक समारोह और जासूसों की तैनाती यह दिखाती है कि उत्तर कोरिया में व्यक्तिगत भावनाओं और शोक को कैसे नियंत्रित किया गया। यह घटना किम इल सुंग के शासन के तानाशाही तत्वों को स्पष्ट रूप से दिखाती है और यह समझाती है कि एक अधिनायकवादी शासन में शासक के प्रति वफादारी और सम्मान को कैसे परिभाषित किया जाता है।

कैसे थे किम इल सुंग

किम इल सुंग ने जब 14 अक्टूबर 1945 को प्योंगयांग में अपना पहला सार्वजनिक भाषण दिया, तो वो असफल रहा था। भाषण के दौरान किम इल सुंग घबराए हुए दिखे, उनके कपड़े भी काफी टाइट थे और उन्होंने पढ़ते समय कई बार अटकने की वजह से भाषण प्रभावशाली नहीं रहा। हालांकि, उन्होंने जल्दी ही अपनी सत्ता मजबूत की और लगभग 49 वर्षों तक शासन किया।

किम इल सुंग के शासन में उत्तर कोरिया में कड़ी तानाशाही लागू की गई। 1950 में अमेरिका की बमबारी के बावजूद, किम इल सुंग ने अपने शासन को मजबूती से कायम रखा। उनकी तस्वीरें और स्मारक हर जगह थे, और लोग उन्हें पूजा करते थे। उन्होंने लोगों को तीन श्रेणियों में बांट दिया- समर्पित अनुयायी, गरीब वर्ग, और तानाशाही के विरोधी। विरोधियों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित कर दिया गया और उन पर सख्त दंड लगाए गए।

सिंध में युवक लापता होने के विरोध में प्रदर्शन, भीड़ से झड़प में 13 पुलिसकर्मी घायल

पेशावर। पाकिस्तान में सिंध प्रांत के बादिन जिले में एक युवक के लापता होने के विरोध में प्रदर्शन कर रही भीड़ के साथ झड़प में कम से कम 13 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार को अल्लाह खान मगसी गांव में घटी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, पुलिसकर्मी उस समय घायल हो गए जब उन्होंने मगसी कबीले के गुस्साए आदिवासियों की भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की जो अपने समुदाय के एक युवक के लापता होने को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

युवक को पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के सिलसिले में पकड़ा था और शनिवार को वह हवालात से गायब हो गया। भीड़ उस समय हिंसक हो गई जब पुलिस ने दावा

किया कि युवक को हथियारबंद लोगों के एक समूह ने मुक्त करा दिया था और वे उसे अपने साथ ले गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जुबैर अहमद ने कहा, भीड़ ने पुलिस पर ईंटों और लाठियों से हमला किया और उन्होंने पुलिस थाने तथा थाने में खड़े वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया। उन्होंने बताया कि जब पुलिस ने लोगों की भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की तो झड़प में 13 पुलिसकर्मी घायल हो गए और उन्हें अस्पताल भेजा गया है।

इमरान खान की पार्टी के शीर्ष नेता संसद भवन के बाहर गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के शीर्ष नेताओं को पुलिस ने नेशनल असेंबली के सत्र के बाद संसद भवन के बाहर से सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। मीडिया में आयी खबरों में यह जानकारी दी गयी है। 'डॉन अखबार ने पुलिस प्रवक्ता जावेद ताकी के हवाले से बताया कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पार्टी के नेता बैरिस्टर गौहर अली खान, शेर अफजल खान मारवात और एडवोकेट शोएब शाहीन को इस्लामाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ऐसी जानकारी है कि सबसे पहले मारवात को हिरासत में लिया गया।

मारावात की गिरफ्तारी के संदर्भ में PTI पार्टी ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''पीएमएलएन सरकार को नेशनल असेंबली के मौजूदा सदस्य के खिलाफ इस तरह के कदम पर पूरी तरह शर्म आनी

चाहिए। यह लोकतंत्र पर सीधा हमला है। पार्टी ने इस्लामाबाद पुलिस पर ''अवैध आदेशों का पालन करने का आरोप लगाया और इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक से ''इस कार्रवाई को रोकने का आह्वान किया। सूत्रों ने जियो न्यूज को बताया कि मारवात को एक नए कानून-शांतिपूर्ण सभा और सार्वजनिक व्यवस्था विधेयक, 2024 के तहत नियमों का उल्लंघन करने के लिए गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पीटीआई सांसद पर एक दिन पहले पुलिस कर्मियों के साथ झड़प का आरोप लगाया गया था।

एक अन्य पोस्ट में PTI पार्टी ने पार्टी अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर की गिरफ्तारी को ''गैरकानूनी बताते हुए इसकी निंदा की। मारवात ने 'एक्स पर पोस्ट एक बयान में कहा, ''सरकार ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह इमरान खान और उनके सिपाहियों से कितनी डरी हुई है। विपक्ष के नेता उमर अयूब खान ने गिरफ्तारियों की निंदा की और आरोप लगाया कि इस्लामाबाद पुलिस ने उन्हें, पीटीआई नेता जरताज गुल वजीर और ''अन्य सहकर्मियों को गिरफ्तार करने के लिए दल गठित किए हैं।

उन्होंने बताया कि PTI के अन्य सांसद संसद भवन के भीतर हैं और पुलिस की मौजूदगी के कारण बाहर नहीं निकल पाए हैं। क्रिकेटर से नेता बने 71 वर्षीय इमरान खान कई कानूनी मुकदमों का सामना कर रहे हैं और वह भ्रष्टाचार के एक मामले में सजा सुनाए जाने के बाद करीब एक साल से जेल में हैं। सूत्रों ने बताया कि उमर और जरताज के साथ ही हम्माद अजहर, कंवल शौजाब, नईम हैदर पंजुथा, अमीर मुगल और खालिद खुर्शीद समेत पीटीआई के और नेताओं को भी गिरफ्तार किए जाने की आशंका है।

ग्रेटर नोएडा में पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ का दौरा...

नेशनल डेस्क। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा स्थित एक्सपो मार्ट सेंटर में 11 सितंबर को एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होंगे। पीएम मोदी इस कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे, जिसके चलते सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर पूरी तैयारी की गई है।

प्रधानमंत्री और सीएम का दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हेलीकॉप्टर से एक्सपो सेंटर पहुंचेंगे और कार्यक्रम में एक घंटे 50 मिनट तक रहेंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के इस दौरे को देखते हुए ग्रेटर नोएडा पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं।

ट्रैफिक डायवर्जन की जानकारी

प्रधानमंत्री के आगमन के कारण ग्रेटर नोएडा और उसके आसपास के क्षेत्रों में कई रूटों पर डायवर्जन किया जाएगा। नोएडा पुलिस की ओर से जारी की गई ट्रैफिक एडवाइजरी के अनुसार, एक्सपो मार्ट के आसपास का ट्रैफिक 11 सितंबर को सुबह से रात 11 बजे तक डायवर्ट रहेगा। प्रभावित रूटों में चिल्ला बॉर्डर, डीएनडी बॉर्डर, कालिन्दी बॉर्डर, यमुना एक्सप्रेस वे, जेवर टोल, होण्डा सीएल चौक, सूरजपुर घंटा चौक और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे शामिल हैं। पुलिस ने सभी प्रमुख जगहों पर ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की स्पेशल ड्यूटी लगा दी है और ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की छुट्टियों को भी रद्द कर दिया गया है। यातायात में किसी भी प्रकार की असुविधा उत्पन्न होने पर नागरिक गौतमबुद्धनगर यातायात हेल्पलाइन नम्बर 9971009001 पर संपर्क कर सकते हैं।

वाहन और आपातकालीन सेवाओं पर निर्देश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हवाई मार्ग से ग्रेटर नोएडा पहुंचने की संभावना को देखते हुए, एक्सपो मार्ट के आसपास भारी मालवाहक वाहन, मध्यम मालवाहक वाहन और हल्के मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। हालांकि, दूध, सब्जियां, फल और चिकित्सा आपूर्ति जैसी आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले मालवाहक वाहनों को अनुमति दी जाएगी। आपातकालीन वाहनों के आवागमन पर कोई प्रतिबंध लागू नहीं होगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569